आंध्र प्रदेश के शिक्षा, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स राज्य मंत्री नारा लोकेश नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करते हुए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

भारत की राष्ट्रपति ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 252 | रायपुर | शनिवार 06 सितंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

शिक्षक दिवस पर कक्षा में अनूठे तरीके से पढ़ाने वाले 81 शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

राष्ट्रपति के हाथों देश के 45 शिक्षकों को मिला 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार'

नईदिल्ली,एजेंसी

आज 5 सितंबर 2025 है यानि शिक्षक दिवस.ये दिन उन टीचर्स को समर्पित है जो बच्चों का भविष्य संवारते हैं और उन्हें जिंदगी का रास्ता दिखाते हैं. हर साल की तरह इस बार भी राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 के जरिए देश के 45 शिक्षकों को सम्मानित किया गया और शिक्षा के क्षेत्र में अनूठी और अभिनव पद्धतियों के लिए शुक्रवार को 81 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस खास मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन टीचर्स को पुरस्कार दिया. इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी भी मौजूद रहे. ये पुरस्कार सिर्फ एक मेडल या सर्टिफिकेट नहीं, बल्कि पूरे देश की ओर से इन शिक्षकों का सम्मान है.

टॉप-45 शिक्षकों की लिस्ट ये वो शिक्षक हैं जिन्होंने सबसे अलग तरीकों से पढ़ाई को मजेदार बनाया और बच्चों को प्रेरित किया.इनमें से कई ने शिक्षा के क्षेत्र में काम किया ।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025: टीचर्स की लिस्ट 1-सुनीता - सोनीपत

2-शशि पॉल हिमाचल प्रदेश 3-नरिंदर सिंह - लुधियाना 4-अवधेश कुमार झा - उत्तर पश्चिम दिल्ली । 5-मंजूबाला - चम्पावत 6-परवीन कुमारी - चंडीगढ़ ।। 7-नीलम यादव - खैरथल तिजारा। 8-भाविनीबेन दिनेशभाई देसाई - दमन। 9-विलास रामनाथ सातारकर - उत्तरी गोवा। 10-हितेश कुमार प्रवीणचंद्र भुंडिया - राजकोट। 11-हिरेनकुमार हसमुखभाई शर्मा - गांधीपुरा खेड़ा। 12-शीला पटेल - दमोह। 13-भेरूलाल ओसारा - आगर मालवा। 14-डॉ. प्रज्ञा सिंह - दुर्ग। 15-कुलदीप गुप्ता - राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जिंद्राह। 16-राम लाल सिंह यादव - भदोही। 17-मधुरिमा तिवारी - मिर्जापुर। 18-कुमारी निधि - किशनगंज। 19-दिलीप कुमार - सुपौल। 20-सोनिया विकास कपूर - मुंबई। 21-कंधन कुमारेसन - एबरडीन। 22-संतोष कुमार चौरसिया - कोरबा। 23-डॉ. प्रमोद कुमार - नालंदा। 24-तरुण कुमार दाश - कोरापुट। 25-बसंत कुमार राणा - मल्कानगिरी। 26-तनुश्री दास - मेदिनीपुर पश्चिम। 27-नांग एकथानी मौंगलांग - पापुम पारे। 28-पेलेनो पेटेनिलहु - कोहिमा। 29-कोइजाम मचासन - इम्फाल पश्चिम। 30-कर्मा टेम्पो एथेनपा - मंगन। 31-डॉ. हेइपोर यूनी बैंग - पूर्वी जयंतिया हिल्स। 32-बिदिशा मजूमदार - गोमती। 33-देबजीत घोष - डिब्रूगढ़। 34-श्वेता शर्मा - देवघर। 35-डॉ. शेख मोहम्मद वाकियोद्दीन शेख हामिदोद्दीन - नांदेड़। 36-डॉ. संदीपन गुरुनाथ जगदाले - लातूर। 37-इब्राहिम एस - मूला एंड्रोथ। 38-मधुरिमा आचार्य - कोलकाता। 39-मदबाथुला थिरुमाला श्रीदेवी - विशाखापत्तनम। 40-मरम पवित्रा - सूर्यापेट। 41-रेवती परमेश्वरन - चेन्नई। 42-विजयलक्ष्मी वी - तिरुपूर। 43-किशोरकुमार एम.एस. - तिरुवनंतपुरम। 44-डॉ. वी रेक्स उर्फ राधाकृष्णन - थिलैयाडी वल्लियाम्मल गवर्नमेंट हाई स्कूल। 45-मधुसूदन के.एस. - मैसूर।

शिक्षक दिवस पर सीएम योगी का बड़ा तोहफा

यूपी में सभी शिक्षकों को मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा

एजेंसी

शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के शिक्षकों के लिए ऐतिहासिक घोषणा की है. लखनऊ में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में सीएम ने ऐलान किया कि अब प्रदेश के सभी शिक्षकों को कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी. इस योजना का लाभ न केवल नियमित शिक्षक बल्कि शिक्षा मित्र, अनुदेशक और रसोइया भी उठा सकेंगे.

ये जिम्मेदारी सरकार की है

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में सबसे बड़ी भूमिका शिक्षकों की होती है. इसलिए उनकी भलाई और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी भी सरकार की है. उन्होंने बताया कि यह सुविधा प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, सरकारी सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों, अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों और वित्त पोषित संस्थानों के शिक्षकों को दी जाएगी.

9 लाख परिवारों को मिलेगा लाभ सीएम योगी ने

जानकारी दी कि इस योजना से लगभग 9 लाख शिक्षक सीधे तौर पर जुड़ेंगे. यानी कुल मिलाकर 9 लाख परिवार कैशलेस उपचार की सुविधा का लाभ उठा पाएंगे. इसका मतलब है कि अब शिक्षकों को गंभीर बीमारी या आकस्मिक स्थिति में इलाज के लिए आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ेगा.

शिक्षक सम्मान और डिजिटल सुविधा भी कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस पर कई शिक्षकों को सम्मानित भी किया. इसके अलावा उन्होंने राज्यभर में स्मार्ट क्लास और टैबलेट वितरण की शुरुआत की. उनका कहना था कि बदलते समय में शिक्षा को टेक्नोलॉजी से जोड़ना ज़रूरी है और सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है।

दिल्ली पुलिस की घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई, 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशियों को डिटेंशन सेंटर भेजा

नई दिल्ली एजेंसी

दिल्ली में घुसपैठियों के खिलाफ सर्च अभियान चल रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने द्वारका में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट के लिए भेज दिया। द्वारका के पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह के अनुसार, पुलिस ने अगस्त महीने में 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशियों को निर्वासन के लिए भेजा।

ये 15 लोग द्वारका में अवैध रूप से रह रहे थे। द्वारका की ऑपरेशन यूनिट और पुलिस थानों के कर्मचारी नियमित रूप से उन विदेशी नागरिकों के बारे में खुफिया जानकारी जुटा रहे हैं, जो अवैध रूप से इलाके में रह रहे हैं या घूम रहे हैं। इसी क्रम में द्वारका के मोहन गार्डन थाने की 5, एंटी-नारकोटिक्स सेल की 5, उत्तम नगर थाने की 3 और डाबरी थाने की 2 टीमों ने द्वारका की निगरानी में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। ये टीमें उन विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए सक्रिय हुईं, जो बिना वैध वीजा के देश में निर्धारित समय से अधिक समय तक रह रहे हैं, अवैध रूप से प्रवेश कर चुके हैं और द्वारका जिले के क्षेत्र में रह रहे या घूम रहे हैं।

केंद्र सरकार ने यूपीएस में किया बड़ा बदलाव,

कर्मचारियों को अब 20 साल की सर्विस पर मिलेगी फुल पेंशन

सोनपुर । नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को दिवाली से पहले बड़ा गिफ्ट दिया है. केंद्र सरकार को कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने यूनिफ इड पेंशन स्कीम से जुड़े नियमों को नोटिफाई किया है. ये नियम पेंशन और रिटायरमेंट लाभ से जुड़े हुए हैं. नए नियमों के मुताबिक, अब यूपीएस के तहत 20 साल की नौकरी पर भी पूरी पेंशन दी जाएगी. नई स्कीम के तहत अब कर्मचारियों को सिर्फ 20 साल की नियमित सर्विस पूरा करने के बाद भी रिटायरमेंट का बेनिफिट मिलेगा. उनको पेंशन का लाभ मिलेगा।

भूटान के प्रधानमंत्री दासो शेरिंग टोबेगो ने पत्नी संग रामलला के किए दर्शन

-पत्नी के साथ करीब दो घंटे राम जन्मभूमि परिसर में बिताए

अयोध्या संवाददाता

भूटान के प्रधानमंत्री दासो शेरिंग टोबेगो शुक्रवार की सुबह रामनगरी अयोध्या पहुंचे और पहले विदेशी प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने अपनी पत्नी के साथ रामलला के दर्शन किए।

भूटान के प्रधानमंत्री शुक्रवार को सुबह 9:30 बजे अपने तय कार्यक्रम के अनुसार भारतीय वायु सेना के विशेष विमान से बिहार के गया से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे। यहां पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रतिनिधि के रूप में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही समेत विदेश मंत्रालय, शासन, प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। यहां से प्रधानमंत्री

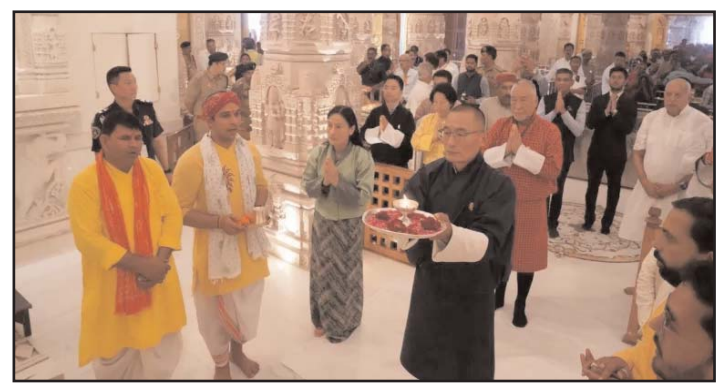

सड़क मार्ग से सीधे राम मंदिर के लिए रवाना हुए। इस दौरान थोड़ी देर के लिए हाईवे पर यातायात प्रतिबंधित कर दिया गया। भूटान के पीएम सुबह 10:00 बजे राम मंदिर पहुंचे। करीब एक घंटे 40 मिनट के राम मंदिर प्रवास में उन्होंने रामलला और राम दरबार के दर्शन किए। इसके साथ ही कुबेर टीला, जटायु और सप्त मंडपम के मंदिरों में भी दर्शन पूजन किया। उन्होंने लोअर प्लिंथ के चारों ओर लगने वाले म्यूरल के साथ परकोटा की दीवार पर लगने वाले ब्रांज के म्यूरल को भी निहारा। इस दौरान अपने मोबाइल से रामजन्मभूमि परिसर की तस्वीरें कैद करते रहे। राम मंदिर की नक्काशी उनको बहुत अच्छी लगी। राम मंदिर में दर्शन और भ्रमण के दौरान वह काफी प्रसन्न थे। रामलला के दरबार में उन्होंने तीन बार साष्टांग प्रणाम किया। रामलला की आरती उतारी और पुष्प अर्पित किया। इसके बाद चरणामृत प्रसाद ग्रहण किया। राम मंदिर से प्रधानमंत्री होटल रामायणा पहुंचे। यहां पर भूटान की पारंपरिक शैली में सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से उनका स्वागत किया गया।

प्रदेश सरकार की पहल पर जिला प्रशासन की ओर से उनके सम्मान में दोपहर भोज का आयोजन किया गया। दोपहर भोज में शामिल होने के बाद प्रधानमंत्री अयोध्या एयरपोर्ट आए और यहां से भारतीय वायुसेना के विमान से नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

गुजरात के बनासकांठा में नकली नोट की फैक्ट्री पकड़ी, 40 लाख के नोटों के साथ 2 गिरफ्तार

डीसा. एजेंसी

गुजरात में बनासकांठा पुलिस ने डीसा तालुका के महादेविया गांव में नकली भारतीय नोट बनाने वाली एक फैक्ट्री पकड़ी है. गुरुवार 4 सितंबर की देर रात की गई छापेमारी में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 40 लाख रुपए से ज्यादा के नकली नोट और उन्हें बनाने के उपकरण जब्त किए हैं. बनासकांठा पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) को विशेष सूचना मिली थी कि महादेविया गांव में नकली नोट बनाए जा रहे हैं. इसके आधार पर एलसीबी की टीम ने बीती देर रात गांव में छापा मारा. छापेमारी के दौरान पुलिस ने वहां से 40 लाख से ज्यादा के नकली नोट बरामद किए.

मोहन भागवत ने आरएसएस की तीन दिवसीय बैठक की शुरुआत की

एजेंसी

जोधपुर. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और इसके प्रेरित संगठनों के अखिल भारतीय पदाधिकारियों की तीन दिवसीय समन्वय बैठक शुक्रवार से जोधपुर में शुरू हुई. बैठक का शुभारंभ सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने भारत माता की तस्वीर पर पुष्प चढ़ाने के बाद किया. इस बैठक में 32 संगठनों के अखिल भारतीय पदाधिकारी भाग ले रहे हैं. बैठक की शुरुआत संगठन मंत्र के सामूहिक वाचन के साथ हुई. पहले सत्र में विभिन्न संगठनों ने अपने-अपने क्षेत्रों में किए गए नवीन प्रयोगों की प्रस्तुति दी. बैठक में प्रमुख रूप से 6 सह-सरकार्यवाह, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार, संगठन मंत्री मिलिंद परांडे, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका शांता अक्का, प्रमुख कार्यवाहिका सीता गायत्री, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष राजशरण शाही, संगठन मंत्री आशीष चौहान, सक्षम के अध्यक्ष दयाल सिंह पवार, संगठन मंत्री चंद्रशेखर, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल विष्णु कांत चतुर्वेदी, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, संगठन मंत्री बीएल संतोष, वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, संगठन मंत्री अतुल जोग और सीमा जागरण मंच के संयोजक मुरलीधर उपस्थित रहे।

विश्व | अमेरिका-जापान व्यापार संबंधों के एक नए युग की शुरुआत

एक बार फिर अपने फैसले से पलटे ट्रंप, जापान पर 25 से घटाकर 15 फीसदी किया

टोक्यो/वाशिंगटन ,एजेंसी

अमेरिका और जापान के बीच व्यापार संबंधों में एक नया अध्याय जुड़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को नए अमेरिका-जापान व्यापार समझौते को लागू करने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। ट्रंप ने इसे अमेरिका-जापान व्यापार संबंधों के एक नए युग की शुरुआत बताया।

इस आदेश के तहत जापान से अमेरिका में आने वाले लगभग सभी आयातों पर 15 फीसदी का बेसलाइन टैरिफ लगाया गया है। हालांकि, कुछ खास क्षेत्रों को इस टैरिफ से छूट दी गई है, जिनमें ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स, एयरोस्पेस उत्पाद, जेनेरिक दवाएं और घरेलू स्तर पर उपलब्ध न होने

वाले प्राकृतिक संसाधन शामिल हैं। गौरतलब है कि शुरुआती दौर में ट्रंप प्रशासन ने जापान और दक्षिण कोरिया पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। लेकिन व्यापारिक बातचीत में कई बार रुकावटें आने के बाद अंततः 15 फीसदी बेसलाइन टैरिफ पर सहमति बनी। व्हाइट हाउस के बयान में कहा गया है कि यह समझौता पारस्परिकता के सिद्धांतों और साझा राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। इस समझौते की एक प्रमुख विशेषता जापान द्वारा अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा है। व्हाइट हाउस के अनुसार यह निवेश अमेरिकी इतिहास में किसी भी अन्य समझौते से कहीं बड़ा है। इस निवेश से अमेरिका में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। समझौते के तहत जापान अमेरिका से यूएस-मेड कमर्शियल एयरक्राफ्ट, डिफेंस इक्विपमेंट और कृषि उत्पाद जैसे चावल, मक्का, सोयाबीन, उर्वरक और बायोएथेनॉल की अरबों डॉलर की खरीद करेगा। टोक्यो ने न्यूनतम पहुंच योजना के तहत अपने चावल आयात में 75 फीसदी तक बढ़ोतरी करने पर सहमति दी है, जिससे अमेरिकी कृषि निर्यात में हर साल करीब 8 अरब डॉलर की बढ़त होने की संभावना है।

'हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया 'बोले ट्रंप, भारत ने दिया जवाब

एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफके बीच भारत के साथ मौजूदा रिश्तों को लेकर बड़ी टिप्पणी की है. ट्रंप ने शुक्रवार (5 सितंबर 2025) को ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट को शेयर कया. उन्होंने कहा, 'हमें ऐसा लगता है कि हमने भारत और रूस दोनों को चीन के हाथों खो दिया है. अमेरिकी राष्ट्रपति ने पीएम मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की एससीओ शिखर सम्मेलन वाली फोटों को सामने रखना. उन्होंने कहा कि ईश्वर करे कि इनका भविष्य लंबा और बेहतर हो.

आपको बता दें कि पीएम मोदी, व्लादिमीर पुतिन, शी जिनपिंग सहित दुनिया के कई नेता चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में एकत्र हुए थे. इस शिखर सम्मेलन को ट्रंप के कड़े टैरिफ के खिलाफ सख्त संदेश के तौर पर देखा जा रहा है. डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमारे पास कहने को लेकर कुछ भी नहीं है। चीन में एससीओ शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया. इस दौरान पुतिन और शीजिनपिंग के साथ उनकी अलग केमेस्ट्री दिखाई दी. इनकी तस्वीरों ने पश्चिमी देश समेत पूरी दुनिया में नए समीकरण पैदा कर दिए हैं. इसके साथ ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ नया वर्ल्ड ऑर्डर भी तैयार किया है।

मगर अब देर हो चुकी हैः ट्रंप

एससीओ सम्मेलन के बाद ट्रंप ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को एकतरफा बताया. उन्होंने कहा, ÷अमेरिकी कंपनियां ने भारत में अपना सामान बेचने में असमर्थता

जताई है. रूस से भारत भारी मात्रा में तेल और रक्षा उपकरण खरीद रहा है, वहीं अमेरिका से बहुत कम.÷ उन्होंने दावा किया कि भारत ने अब अपने टैरिफ को पूरी तरह से कम करने का प्रयास किया है. मगर अब देर हो चुकी है. उन्हें ऐसा सालों पहले कर लेना चाहिए था।

ट्रंप की दावत में बिल गेट्स, टिम कुक, जुकरबर्ग सब थे मौजूद, पर क्यों गायब रहे 'दोस्त' एलन मस्क ?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस में दुनिया की शीर्ष प्रौद्योगिकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के लिए एक रात्रिभोज का आयोजन किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित इस हाई-प्रोफाइल डिनर में एप्पल के टिम कुक से लेकर माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला तक शामिल हुए, लेकिन इस सूची से टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क का नाम गायब रहा, जिनकी हाल के दिनों में ट्रंप से दूरी बढ़ने की खबरें हैं।

सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा बयान: चीन सीमा विवाद लंबे समय तक रह सकता है जारी

एजेंसी।

नई दिल्ली. यूपी के गोरखपुर में आज शुक्रवार 5 सितम्बर को आयोजित एक कार्यक्रम में भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सुरक्षा चुनौतियों पर बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि भारत के सामने चीन के साथ सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है और यह लंबे समय तक जारी रहने वाला है. सीडीएस चौहान ने कहा कि चुनौतियां अस्थायी नहीं होतीं, वे अलग-अलग रूप में सामने आती रहती हैं. उन्होंने साफतौर पर कहा, मुझे लगता है कि चीन के साथ सीमा विवाद भारत की सबसे बड़ी चुनौती है और यह आगे भी बनी रहेगी. उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान की प्रॉक्सी वॉर भारत के लिए दूसरी बड़ी चुनौती है. पाकिस्तान हमेशा से हजार जख्म देकर भारत को खून बहाने की नीति पर काम करता रहा है. इसी रणनीति के तहत वह आतंकवाद और घुसपैठ को बढ़ावा देता है. सीडीएस ने कहा कि अब युद्ध के स्वरूप भी बदल गए हैं. लड़ाई केवल जमीन तक सीमित नहीं रही, बल्कि साइबर और अंतरिक्ष भी युद्ध के नए क्षेत्र बन गए हैं. **विरोधी देश परमाणु शक्ति संपन्न** उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत के दोनों प्रमुख विरोधी देश परमाणु शक्ति संपन्न हैं, इसलिए उनके खिलाफकार्रवाई का फैसला हमेशा चुनौतीपूर्ण रहेगा. अपने संबोधन में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया, जिसे भारत ने इस साल मई में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाने के लिए अंजाम दिया था।

धमतरी जिले के किसान अध्ययन भ्रमण पर रवाना, कलेक्टर ने दिखाई हरी झंडी

आयल पॉम की खेती कम लागतङ्कज्यादा मुनाफः कलक्टर श्री मिश्रा

धमतरी । जिले के कृषकों की आय बढ़ाने और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में जिला प्रशासन लगातार नवाचारों को बढ़ावा दे रहा है। इसी क्रम में आयल पॉम (तेल पाम) की खेती को प्रोत्साहित करने हेतु धमतरी जिले के चयनित किसानों को अध्ययन भ्रमण के लिए रवाना किया गया।कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने आज गुरुवार को ग्राम भलेसर (विकासखण्ड बागबाहरा, जिला महासमुन्द) स्थित कृषि प्रक्षेत्रों के अध्ययन भ्रमण हेतु कृषक दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अध्ययन दल में जिले के 08 गांवों के 30 चयनित किसान, 03 ग्राम कृषि विस्तार अधिकारी एवं 02 ग्राम उद्यान विस्तार अधिकारी शामिल हैं।

धमतरी जिले में आयल पॉम को बढ़ावा देने हेतु अम्मा ऑयल पॉम प्लांटेशन लिमिटेड, हैदराबाद को अधिकृत किया गया है। यह संस्था किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन के साथ-साथ उत्पाद की खरीदी भी सुनिश्चित करेगी। चयनित किसानों द्वारा 11.90 हेक्टेयर क्षेत्र हेतु 1703 पौधों का भंडारण पहले ही किया जा चुका है।

सरकारी योजना और आर्थिक सहयोग

उप संचालक कृषि श्री मोनेश साहू ने बताया कि नेशनल मिशन ऑन एडीबल ऑयल्स एंड ऑयल पॉम अंतर्गत जिले को वर्ष 2025-26 में 300 हेक्टेयर में आयल पॉम खेती का लक्ष्य दिया गया है।

योजना के तहत किसानों को पौध रोपण, रखरखाव, अंतरवर्ती फसल, फेंसिंग और ड्रिप सिंचाई पर अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही दो हेक्टेयर फसल प्रदर्शन हेतु नलकूप खनन एवं पंप प्रतिस्थापन पर अतिरिक्त सहायता भी दी जाएगी। एक किसान को अधिकतम 2,51,250 तक की अनुदान राशि प्राप्त हो सकेगी।*

आरोपी-प्रार्थी की झड़प का हुआ था वीडियो वायरल

धमतरी । थाना सिटी कोतवाली धमतरी में प्रार्थी श्रवण ढीमर पिता साहरू ढीमर उम्र 21 वर्ष निवासी विंध्यवासिनी वार्ड गड्डा पारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 03.09.2025 की सुबह मोहल्ले का बजरंगी धोबी उर्फ महेश धोबी पिता बिसनाथ निर्मलकर उम्र 41 वर्ष निवासी गड्डा पारा, विंध्यवासिनी वार्ड धमतरी हाथ में लोहे का सबली और तलवारनुमा बड़ा चाकू लेकर आया और मां-बहन की गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद लगभग 10:00 बजे प्रार्थी और उसका साथी शुभम स्वागत गेट रोड, विंध्यवासिनी वार्ड के पास बातचीत कर रहे थे तभी आरोपी पुनः हथियार लहराते हुए पहुंचा और प्रार्थी को गाली-गलौच करते हुए लोहे के सबली से सिर में वार कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोट आई। हमले के बाद आरोपी अपना तलवारनुमा चाकू एवं सबली वहीं छोड़कर भागने लगा। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँची और आरोपी को पेट्रोलिंग वाहन की मदद से पकड़कर थाने लाया गया।

स्कूल समय में हर्बल बिजनेस चलाने वाले शिक्षकों पर गिरी गाज, एक निलंबित

दुर्ग। दुर्ग जिले में कुछ शिक्षकों द्वारा स्कूल समय में हर्बल उत्पादों का प्रचार-प्रसार और ऑनलाइन सेशन करने के मामले में शिक्षा विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा ने इस मामले की जांच के बाद एक शिक्षक को निलंबित कर दिया है, जबकि तीन अन्य शिक्षकों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की गई है। मामले की शुरुआत एक वेबपोर्टल पर प्रकाशित समाचार से हुई, जिसमें बताया गया था कि कुछ शिक्षक हर्बल लाईफ के उत्पादों का प्रचार कर रहे हैं और स्कूल समय में ऑनलाइन मीटिंग्स तथा सेशन्स ले रहे हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए जांच कराई गई। धमधा ब्लॉक के शिक्षा अधिकारी अथर्व शर्मा द्वारा की गई जांच में यह पुष्टि हुई कि शासकीय उ.मा. विद्यालय घोटवानी के व्याख्याता लोमन वर्मा, सीएसी संकुल केंद्र बोरी के (मूल पद शिक्षक एलबी) बलदाउ पटेल, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला दनिया के शिक्षक (एलबी) मुकेश चतुर्वेदी और शासकीय प्राथमिक शाला फुण्डा की सहायक शिक्षिका खिलेश्वरी चतुर्वेदी स्कूल समय में हर्बल लाईफके उत्पादों का प्रचार कर रहे थे और सोशल मीडिया के जरिए इसका विस्तार भी कर रहे थे। इसकी पुष्टि होने पर, आचरण नियम 1965 का उल्लंघन मानते हुए सहायक शिक्षिका खिलेश्वरी चतुर्वेदी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा, व्याख्याता लोमन वर्मा के खिलाफविभागीय कार्रवाई के लिए प्रस्ताव लोक शिक्षण संचालनालय, नवा रायपुर भेजा गया है, जबकि बलदाउ पटेल और मुकेश चतुर्वेदी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग दुर्ग को भेजा गया है।

धमतरी जिले में सौर सुजला योजना : किसानों की खुशहाली का नया सूरज

धमतरी। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वर्ष 2016-17 में प्रारंभ की गई सौर सुजला योजना आज राज्य के किसानों के जीवन में खुशहाली का नया अध्याय लिख रही है। विशेषकर धमतरी जिले में यह योजना किसानों के लिए संजीवनी साबित हुई है। जहां पहले किसान केवल वर्षा आधारित खेती पर निर्भर रहते थे और सिंचाई की कमी से उत्पादन प्रभावित होता था, वहीं अब सूर्य की ऊर्जा से संचालित सोलर पंप किसानों के लिए बारहमासी खेती का भरोसेमंद साधन बन गए हैं।

किसानों के जीवन में नई रोशनी

धमतरी जिले में अब तक कुल 3068 सोलर पंपों की स्थापना छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (क्रेडा) द्वारा की जा चुकी है। इन पंपों से किसानों को धान, गेहूं, मक्का, दलहन, तिलहन, सब्ज़ी और फल-फूल जैसी फसलों का उत्पादन बड़े पैमाने पर करने का अवसर मिला है।गांव-गांव में किसान अब एक सीजन की जगह पूरे साल खेती कर पा रहे हैं, जिससे उनकी आय दोगुनी हुई है और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आया है।

इस योजना के अंतर्गत किसानों को 90 प्रतिशत तक अनुदान शासन द्वारा दिया जाता है। केवल शेष राशि उन्हें अंशदान के रूप में देनी होती है। इतना ही नहीं, एनिकट, स्टॉप डेम एवं चेक डेम के किनारों पर 3 से 5 एचपी क्षमता वाले सरफेस सोलर पंप 97 प्रतिशत अनुदान पर लगाए जा रहे हैं। इससे जल स्रोत के पास बसे छोटे और सीमांत किसान अत्यधिक लाभान्वित हो रहे हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में सौर सुजला योजना के सातवें चरण में धमतरी जिले को 400 सोलर पंपों का लक्ष्य प्राप्त हुआ था। इसके विरुद्ध अब तक 252 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनकी स्वीकृति और स्थापना प्रक्रिया क्रेडा द्वारा की जा रही है। वहीं वर्ष 2025-26 के फेस-09 अंतर्गत जिले को 205 सोलर पंप का लक्ष्य मिला है, जिनमें से 165 पंप स्थापित किए जा चुके हैं और शेष पर तेजी से कार्य चल रहा है।

आर्थिक व सामाजिक परिवर्तन

इस योजना ने जिले की कृषि व्यवस्था को एक नई दिशा दी है। किसान अब खरीफ और रबी दोनों मौसम में खेती कर रहे हैं। उत्पादन बढ़ने से उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। अतिरिक्त पैदावार से न केवल किसानों की आय दोगुनी हुई है, बल्कि गांवों में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं।खेतों में मजदूरों, परिवहन और कृषि से जुड़ी अन्य गतिविधियों में रोजगार मिलने से बेरोजगारी की समस्या भी घट रही है।

ईद-ए-मिलाद अवकाश की तिथि में किया संशोधन, अब 5 सितंबर को रहेगा सार्वजनिक अवकाश

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 3 सितंबर 2025 को जारी अधिसूचना के अनुसार, ईद-ए-मिलाद (मिलाद-उन-नबी) के सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश की तिथि में संशोधन किया गया है। पूर्व में यह अवकाश 6 सितंबर 2025 (शनिवार) को घोषित किया गया था, जिसे अब निरस्त करते हुए 5 सितंबर 2025 (शुक्रवार) को सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। साथ ही, 6 सितंबर 2025 को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर पूर्व में घोषित ऐच्छिक अवकाश यथावत रहेगा। यह निर्णय छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेशवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। यह आदेश छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से जारी किया गया है और इसे सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चम्पावत द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है।

अंडरब्रिज के पास नाले में मिला युवक का शव, इलाके में मची सनसनी

दुर्ग। दुर्ग से इस वक्त एक बड़ी खबर सामने आ रही है। भिलाई के सेक्टर-7 स्थित अंडरब्रिज के पास नाले में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोग जब वहां से गुजर रहे थे, तो उन्होंने नाले में एक शव पड़ा देखा, जिसके बाद तुरंत डायल 112 पर इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और भिलाई कोतवाली पुलिस को भी जानकारी दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा किया।

बालक आश्रम मानकापाल का मामला, छात्रों को नमक के साथ भोजन परोसे जाने पर प्रभारी अधीक्षक निलंबित

सुकमा। बालक आश्रम मानकापाल, विकासखण्ड सुकमा से एक लापरवाही का मामला सामने आया है। आश्रम में बच्चों को भोजन में केवल नमक के साथ परोसा गया, जिसकी जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लिया। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में सहायक आयुक्त श्री हेमंत सिन्हा, मण्डल संयोजक ने आश्रम में जाकर जांच किया। जांच उपरांत सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 (उप-नियम ९, प्प् एवं प्प्प्) के विपरीत आचरण तथा पदीय कर्तव्यों में घोर लापरवाही बरतने के आरोप में प्रभारी अधीक्षक श्री जय प्रकाश बघेल को निलंबित कर विभागीय जांच संस्थित की गई है। जिला प्रशासन के आदेशानुसार, निलंबन अवधि में श्री बघेल का मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड सुकमा रहेगा तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

कलेक्टर श्री ध्रुव ने कहा कि आश्रमों और छात्रावासों में बच्चों के भोजन, स्वास्थ्य और देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सभी छात्रावासों और आश्रमों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की सतत् निगरानी सुनिश्चित करें।

कलेक्टर मिश्रा ने आदि कर्मयोगी अभियान, प्राकृतिक खेती, स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली

कलेक्टर ने कुरूद-मगरलोड क्षेत्र का किया निरीक्षण

धमतरी । कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने बुधवार को कुरूद एवं मगरलोड क्षेत्र का दौरा कर वहाँ चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों, चिन्हित स्थलों और विकास योजनाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने मगरलोड स्थित पुस्तकालय (लाइब्रेरी) भवन का अवलोकन किया और निर्माण की गुणवत्ता का जायजा लिया। इसके उपरांत उन्होंने जनपद कार्यालय के सभा कक्ष में विकासखंड अधिकारियों की बैठक ली, जिसमें सभी विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में सबसे पहले आदि कर्मयोगी अभियान की प्रगति पर चर्चा हुई। कलेक्टर ने मास्टर ट्रेनरों से प्रशिक्षण की जानकारी लेते हुए कहा कि यह अभियान केवल प्रशासनिक प्रक्रिया भर नहीं है, बल्कि आदिवासी अंचलों में विकास की रोशनी पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम है। जब शासन की योजनाएँ पारदर्शी तरीके से आमजन तक पहुँचेंगी, तभी जमीनी स्तर पर बदलाव संभव होगा। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने वृक्षारोपण की स्थिति और उसके संरक्षण पर विशेष बल दिया। साथ ही नेचुरल फार्मिंग (हड्डह्लह्वह्म्ड्डद्य स्नड्डह्म्द्वद्बठ्ठद्द) के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि किसानों को किस हद तक रासायनिक खाद के उपयोग से दूर किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को प्राकृतिक खेती के फायदे बताकर और अधिक प्रेरित किया जाए। यह न केवल मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में सहायक होगा बल्कि किसानों की लागत भी कम करेगा। स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने सिंगपुर स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुविधा के लिए यहाँ शीघ्र ही 108 एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में प्रसूति के आने वाली महिलाओं के लिए बेटिंग रूम की स्थापना की कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकता है और इस दिशा में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने विद्यालयों में बच्चों की मॉक परीक्षा, गणवेश और पुस्तक वितरण की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों को विद्यालय में नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना जरूरी है, ताकि वे भविष्य में सक्षम और जिम्मेदार नागरिक बन सकें। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने दूध एकत्रीकरण केंद्रों की जानकारी ली और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी पशुओं को समय पर रोग-निरोधक टीके लगाए जाएँ। उन्होंने कहा कि पशुधन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इसलिए इसकी सुरक्षा और देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग, लोक

प्रधानमंत्री आवास योजना से गरीब परिवारों को पक्का घर का सपना साकार

दंतेवाड़ा। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जिले के गरीब परिवारों के लिए आशियाने का बड़ा सहारा बन रही है। इस योजना के तहत अब तक जिले के सैकड़ों परिवारों को पक्के और सुरक्षित मकानों का लाभ मिल चुका है। कच्चे घरों से पक्के मकानों में शिफ्ट हुए परिवार अब सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जी रहे हैं। गौरतलब है कि योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र लाभार्थी को तीन किस्तों में 1 लाख 20 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है। इसके साथ ही 90 दिन का मनरेगा रोजगार भी उपलब्ध कराया जाता है, ताकि ग्रामीणों को न केवल आवास बल्कि रोजगार का भी सहारा मिल सके। सबका साथ, सबका विकास की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

दंतेवाड़ा जैसे वनांचल क्षेत्र में भी यह योजना लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही है। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत और मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा के मार्गदर्शन में आवास निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जा रहे हैं। बरसात और निर्माण सामग्री की कमी जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद प्रशासन ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इस क्रम में जनपद पंचायत दंतेवाड़ा के ग्राम पंचायत गामावाड़ा के नियद नेल्लानार क्षेत्र में मात्र 135 दिनों में एक आवास का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया। आम तौर पर कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले दंतेवाड़ा जिले में निर्माण कार्यों में अपेक्षाकृत अधिक समय लगता है, लेकिन रिकॉर्ड समय में मकान का तैयार होना प्रशासन की दक्षता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। योजना के तहत जिले में अब तक 2118 और केवल जनपद

आदि कर्मयोगी अभियान, प्राकृतिक खेती, स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास कार्यों की ली समीक्षा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर

धमतरी। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने बुधवार को कुरूद एवं मगरलोड क्षेत्र का दौरा कर वहाँ चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों, चिन्हित स्थलों और विकास योजनाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने मगरलोड स्थित पुस्तकालय (लाइब्रेरी) भवन का अवलोकन किया और निर्माण की गुणवत्ता का जायजा लिया। इसके उपरांत उन्होंने जनपद कार्यालय के सभा कक्ष में विकासखंड अधिकारियों की बैठक ली, जिसमें सभी विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में सबसे पहले आदि कर्मयोगी अभियान की प्रगति पर चर्चा हुई। कलेक्टर ने मास्टर ट्रेनरों से प्रशिक्षण की जानकारी लेते हुए कहा कि यह अभियान केवल प्रशासनिक प्रक्रिया भर नहीं है, बल्कि आदिवासी अंचलों में विकास की रोशनी पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम है। जब शासन की योजनाएँ पारदर्शी तरीके से आमजन तक पहुँचेंगी, तभी जमीनी स्तर पर बदलाव संभव होगा।

कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने वृक्षारोपण की स्थिति और उसके संरक्षण पर विशेष बल दिया। साथ ही नेचुरल फार्मिंग (हड्डह्लह्वह्म्ड्डद्य स्नड्डह्म्द्वद्बठ्ठद्द) के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि किसानों को किस हद तक रासायनिक खाद के उपयोग से दूर किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को प्राकृतिक खेती के फायदे बताकर और अधिक प्रेरित किया जाए। यह न केवल मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में सहायक होगा बल्कि किसानों की लागत भी कम करेगा। स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने सिंगपुर स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुविधा के लिए यहाँ शीघ्र ही 108 एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में प्रसूति के आने वाली महिलाओं के लिए बेटिंग रूम की स्थापना की कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकता है और इस दिशा में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने विद्यालयों में बच्चों की मॉक परीक्षा, गणवेश और पुस्तक वितरण की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों को विद्यालय में नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना जरूरी है, ताकि वे भविष्य में सक्षम और जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

विधवा, परित्यक्ता एवं निराश्रित महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर जोड़े स्वरोजगार से - कलेक्टर

बाल अपराध रोकथाम के लिए बनाए कार्ययोजना, सकारात्मक वातावरण के साथ दे उचित मार्गदर्शन

बाल विवाह रोकथाम, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, बाल कल्याण, मातृत्व पोषण जैसे विभिन्न योजनाओं की हुई व्यापक समीक्षा

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने ली जिला बाल संरक्षण समिति व टास्क फोर्स की बैठक

मोहला। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति तथा जिला टास्क फोर्स समिति की त्रैमासिक बैठक संपन्न हुई। उन्होंने विभागीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं बेहतर क्रियान्वयन हेतु डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने विधवा, परित्यक्ता एवं निराश्रित महिलाओं की सूची तैयार कर महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कर स्वरोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने आयोजित बैठक में बाल विवाह की रोकथाम, किशोरी बालिकाओं की शिक्षा, पोषण, बाल अपराध नियंत्रण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्पॉन्सरशिप योजना, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, स्वास्थ्य लईका कार्यक्रम एवं पोषण ट्रैकर ऐप में डाटा एंट्री से संबंधित कार्यों तथा योजनाओं की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। विभाग द्वारा बाल विवाह रोकथाम को लेकर चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान के संबंध में कलेक्टर ने कहा कि समाज में बाल विवाह रोकथाम अति आवश्यक है। उन्होंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान तहत जिले के समस्त विद्यालयों एवं छात्रावासों के किशोरी बालिकाओं के पोषण स्तर में सुधार हेतु नियमित रूप से टेक होम राशन (टीएचआर) वितरित करने निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने शाला त्यागी किशोरी बालिकाओं को पुनः शाला प्रवेश सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने स्पॉन्सरशिप योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह उन बच्चों के लिए महत्वपूर्ण योजना है, जिनके माता-पिता में से किसी एक अथवा दोनो का निधन हो चुका है। ऐसे बच्चों का चिन्हांकन कर योजना से लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने महतारी वंदन योजना के अंतर्गत आधार अपडेट कराने हेतु निर्देशित किए। उन्होने बाल अपराध रोकथाम की समीक्षा करते हुए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों को सकारात्मक वातावरण के साथ ही उचित मार्गदर्शन प्रदान करना सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को प्रतिमाह लक्ष्य निर्धारण कर कार्य में प्रगति लाने हेतु निर्देशित किए।

लोकपरंपराएं एवं संस्कृति समाज को जोड़ने का बेहतर माध्यम : मुख्यमंत्री

महिलाएँ हर क्षेत्र में कर रही हैं प्रदेश का नाम रोशन : विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

तीजा महिलाओं का मायके से जुड़ी यादों को तरोताज़ा करने का पर्व : राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा

0 राजस्व मंत्री निवास में तीजा मिलन, गीत-संगीत और लोकनृत्य से गूंजा वातावरण

रायपुर । सावन-भादो में छत्तीसगढ़ की धरती पर पारंपरिक उत्सवों का विशेष महत्व रहता है। इसी क्रम में आज राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा के निवास में तीजा मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा, गीत-संगीत और लोकनृत्य की अनूठी छटा देखने को मिली। महिलाएँ पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित होकर लोकगीतों की मधुर धुनों से वातावरण को उल्लासमय बना रही थीं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तीजा मिलन को समाज की एकता और संस्कृति की पहचान बताया। उन्होंने कहा कि तीजा छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए आस्था और विश्वास का पर्व है। महिलाएँ इस दिन पति की लंबी आयु और परिवार की समृद्धि के लिए व्रत करती हैं। हमारी लोकपरंपराएँ समाज को जोड़ती हैं और यही हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कजली एकादशी जैसे पर्व केवल धार्मिक महत्व नहीं रखते, बल्कि समाज में भाईचारे और एकता का संदेश भी देते हैं। उन्होंने राज्य के विकास की दिशा में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की भावना को मार्गदर्शक बताया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान लोक संस्कृति एवं त्योहारों से होती है। यहाँ की महिलाएँ न केवल परिवार और समाज को संवार रही हैं, बल्कि शिक्षा, राजनीति, सेवा और हर क्षेत्र में योगदान देकर प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं को संस्कृति की संरक्षक बताते हुए उनके योगदान की सराहना की। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि आज तीजा मिलन समारोह में प्रदेश की संस्कृति और परंपरा के रंगों का संगम देखने को मिला। पति की लंबी उम्र के लिए महिलाएँ मायके में उपवास करती हैं। तीजा महिलाओं को मायके से जुड़ी यादों को तरोताज़ा करने का पर्व है। तीजा मिलन कार्यक्रम में पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन परोसे गए। लोकनृत्य और गीतों ने पूरे वातावरण को उल्लासमय बना दिया। महिलाएँ एक-दूसरे को तीजा की बधाइयाँ देती रहीं। यह आयोजन इस बात का प्रतीक बना कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराएँ आज भी समाज के ताने-बाने को मजबूती प्रदान कर रही हैं। तीजा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि महिलाओं की शक्ति, सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। कार्यक्रम में मंत्रिमंडल के सदस्य आदिम जाति विकास एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल, वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, लोक स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, सांसद रूप कुमारी चौधरी, कमलेश जांगड़े और विधायक अनुज शर्मा, सुनील सोनी तथा श्री पुरंदर मिश्रा भी उपस्थित रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने महिलाओं को तीजा की शुभकामनाएँ दीं और उन्हें समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर रायपुर ने मेसर्स व्हीएनआर एग्रीमैट्रीक्स जारी किया नोटिस

रायपुर । कलेक्टर रायपुर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने रायपुर जिले के ग्राम गोमची स्थित निजी उर्वरक विक्रेता मेसर्स व्ही.एन.आर. एग्रीमैट्रीक्स को उर्वरक नियंत्रण आदेश के उल्लंघन के मामले में कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कलेक्टरने यह कार्रवाई कृषि विभाग के उपसंचालक कृषि सतीश अवस्थी द्वारा गठित उर्वरक निरीक्षक दल द्वारा बीते दिनों संबंधित फर्म के औचक निरीक्षण के दौरान वहां पाई गई अनियमितता के चलते की है। उर्वरक विक्रेता मेसर्स व्ही.एन.आर. एग्रीमैट्रीक्स के यहां से 41.17 मीट्रिक टन उर्वरक जब्त की गई है।

गौरतलब है कि कृषि विभाग के निरीक्षण दल द्वारा 30 अगस्त को उक्त उर्वरक विक्रेता फर्म का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान संबंधित विक्रेता द्वारा उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 का उल्लंघन का मामला पाए जाने पर गोदाम में भंडारित कुल 41.17 मीट्रिक टन उर्वरक के जब्ती की कार्रवाई की गई। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा है कि किसानों को निर्धारित दर पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी तरह की अनियमितता और लापरवाही का मामला पाए जाने पर संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रजत महोत्सव अंतर्गत नगर पालिका बीजापुर को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए लिया गया संकल्प

बीजापुर। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा रजत महोत्सव अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, इस दौरान नगर पालिका क्षेत्र बीजापुर में आज नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता सोम पुजारी की अध्यक्षता में मुख्य नगर पालिका अधिकारी व समस्त पार्षदों की उपस्थिति में बाल विवाह मुक्त नगर पालिका बीजापुर बनाने की रणनीति/कार्ययोजना पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला बाल संरक्षण अधिकारी, श्री राहुल कौशिक द्वारा कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई नगरीय निकाय क्षेत्रों के सभी वार्डों में समय-समय पर बाल विवाह नहीं करने, बाल विवाह के कानून अपराध होने संबंध में मुनादी कराये जावे जिस से की सभी नगर वासियों को पता चले की बाल विवाह करना अपराध है, नगरीय क्षेत्र में आने वाले सामुदायिक भवन या अन्य सामुदायिक भवन के लिए यह बंधन कार्य हो की वैवाहिक कार्यक्रम हेतु भवन आरक्षित करने के पूर्व वर एवं वधू दोनों को जन्म प्रमाण-पत्र संबंधी प्रमाण-पत्र जमा करावें। विशेष अवसर जैसे-राम नवमी तथा अक्षय तृतीया पर बड़ी संख्या में विवाह सम्पन्न होते है, इस अवसर पर नगरीय क्षेत्र के सभी वार्डों को सूचना प्रसारित कर अपील की जाये। नगरीय निकाय में सभी प्रकार के प्रचार-प्रसार, बैठक, स्व-सहायता समूहों के सदस्यों को बाल विवाह के संबंध में जानकारी प्रदान की जावे, नगरीय निकाय अंतर्गत आने वाले समस्त प्रिंटिंग प्रेस, टेन्ट, खाना बनाने वाले हलवाई, मिठाई दुकान, बाजा-गाजा वाले, धार्मिक अनुष्ठान करने वाले, वीडियो ग्रॉफ्र, सामाजिक नेता को बाल विवाह नहीं कराने के संबंध में अपील जारी किया जाना है पत्र प्रेषित किया जाना है। नगरीय निकाय में होने वाली सामान्य सभा की बैठक में स्थाई एजेंडा के रूप में शामिल करते हुए नियमित रूप से चर्चा कर निगरानी किया जाना है, चॉईल्ड हेल्पलॉईन 1098, महिला हेल्पलॉईन 181, आपातकालीन नं. 112 की जानकारी से भी अवगत कराया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता सोम पुजारी द्वारा शपथ दिला कर हस्ताक्षर करते हुए यह जानकारी दिया गया की बीजापुर नगर पालिका को बाल विवाह मुक्त नगर पालिका बनाने हेतु कार्ययोजना की रणनीति अनुसार कार्य किया जाना है। समस्त पार्षदगणों को बाल संरक्षण तंत्र, स्पॉन्सरशीप योजना, दत्तक ग्रहण (गोद लेने की प्रक्रिया), सड़क जैसी परिस्थिति पर रहने वाले बच्चे, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति, एक युद्ध नशे के विरूद्ध अभियान, बालिका सुरक्षा माह, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं अभियान, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना, महतारी वंदन योजना की जानकारी से भी अवगत कराया गया।

महुआ मोइत्रा ने रायपुर पुलिस को कहा 'बेवकूफ बोलीं– अपने आकाओं की बात सुनना बंद करो

रायपुर। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा ने अब रायपुर पुलिस को बेवकूफ कहा है। दरअसल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रायपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। इससे चिढ़ी महुआ मोइत्रा ने वीडियो जारी कर रायपुर पुलिस को बेवकूफ कहते हुए अपने आकाओं की नहीं बात नहीं सुनने की बात कही है। रायपुर पुलिस को टैग करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो जारी की है।

महुआ मोइत्रा नए वीडियो में कह रही है कि अंग्रेजी में जो लिखा जाता है या फिर कहा जाता है, हिंदी में उसका अर्थ वह नहीं होता है। वे बयान के लिए दर्ज की गई एफआईआर के खिलाफकोर्ट जाएगी।

भाजपा के आकाओं की बात सुनना बंद करो

महुआ मोइत्रा ने कहा कि उनके विरोधियों को हर बार शिकस्त मिली है। इस बार भी ऐसा ही होगा। साथ ही कहा कि मुहावरे बेवकूफों

के लिए नहीं होते। मोइत्रा ने छत्तीसगढ़ पुलिस को टैग करके लिखा है कि आपने पिछला मुकदमा हाईकोर्ट से फटकार लगने के बाद तुरंत वापस ले लिया था। आप भाजपा के आकाओं की बात सुनना बंद करो।

अंग्रेजी या बंगाली का हिंदी अनुवाद हमेशा सही अर्थ नहीं देता

बता दें कि अमित शाह पर बंगाली भाषा में आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरी महुआ मोइत्रा ने कहा कि महुआ ने स्पष्ट किया कि अंग्रेजी या बंगाली में कही गई बातों का शाब्दिक हिंदी अनुवाद हमेशा सही अर्थ नहीं देता। महुआ का कहना है कि उन्होंने जो कहा, वह एक बंगाली मुहावरा था, लेकिन उसका गलत अनुवाद कर राजनीतिक रंग दिया गया। महुआ के आरोपों पर रायपुर पुलिस ने कहा कि शिकायतकर्ता के दिए गए साक्ष्यों के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की जांच जारी है।

फर्जी मुकदमों से बचने की सलाह

उन्होंने कहा कि पिछली बार भी इसी तरह का केस हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। मोइत्रा ने पुलिस को टैग करते हुए लिखा कि भाजपा के आकाओं की सुनना बंद करें। वरना केवल बदनामी ही मिलेगी। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने रायपुर पुलिस को चेतावनी दी कि फर्जी मुकदमों से बचें, क्योंकि अदालतें इन्हें पहचान लेती हैं और बाद में सिर झुकाना पड़ता है।

क्या कहा था महुआ मोइत्रा ने

पत्रकारों ने मोइत्रा से राज्य में अवैध घुसपैठ को लेकर सवाल के जवाब में टीएमसी सांसद ने कहा, मेरा उनसे (अमित शाह) साफ सवाल है। वह सिर्फ कहे जा रहे हैं घुसपैठिया, घुसपैठिया, घुसपैठिया। हमारा जो बॉर्डर है, उसकी रखवाली जो एजेंसी कर रही है, वह केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आती है। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को लाल किले से कहा, घुसपैठ हो रही है और उसकी वजह से डेमोग्राफी चेंज हो रही है। प्रधानमंत्री जब यह बात कह रहे थे तो पहली पंक्ति में बैठे गृहमंत्री उनकी बात सुन खीसें निपोर रहे थे और ताली बजा रहे थे। तृणमूल सांसद ने कहा, 'अगर भारत की सीमाओं की रक्षा करने वाला कोई नहीं है। अगर दूसरे देश के लोग रोजाना सौ, हजार और लाखों की संख्या में घुसपैठ कर रहे हैं और हमारी मां-बहनों पर नजर डाल रहे हैं। हमारी जमीनें छीन रहे हैं, तो पहले आपको अमित शाह का सिर काट कर टेबल पर रख देना चाहिए।

10 ठेकेदारों को कलेक्टर ने किया ब्लैक लिस्टेड

जगदलपुर। बस्तर जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों में लापरवाही और धीमी प्रगति को लेकर के कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता समिति हरिस एस ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर हरिस की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 10 ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है। यह निर्णय मंगलवार 02 सितंबर को कलेक्टर कार्यालय में हुई बैठक के दौरान लिया गया।

बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि मिशन मोड में संचालित इस योजना के तहत सभी ठेकेदारों को अपने कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई ठेकेदार या एजेंसी आगे भी लापरवाही बरतेगी या प्रगति में सुधार नहीं करेगी, तो उनके खिलाफ और सख्त कदम उठाए जाएंगे, जिसमें ब्लैक लिस्टिंग के अलावा वास्तविक प्रगति का मूल्यांकन और ठोस कार्रवाई शामिल होगी।

करोड़ों की चना खरीदी का टेण्डर सरकार हाईकोर्ट की शरण में

राज्य आपूर्ति निगम वर्ष 2025-26 की चना वितरण के लिए निकाला टेण्डर

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य आपूर्ति निगम द्वारा करोड़ों रूपये की चना खरीदी के लिए जारी की गई टेण्डर पर कानून दावपेच प्रारंभ हो गया है। वर्ष 2025-26 के चना वितारण के लिए ई-ऑक्शन टेण्डर को लेकर राज्य शासन हाईकोर्ट की शरण में चला गया है। ज्ञात रहे इस ठेके को लेने के लिए कई रसूखदार सक्रिय हो गए हैं, जिससे व्यावसायिक स्पर्धा बढ़ गई है।

राज्य शासन के द्वारा गत दिनों आदिवासी क्षेत्र माडा में चना आपूर्ति करने के लिए कैबिनेट ने निर्णय लिया था, जिसके तहत नागरिक आपूर्ति निगम को नोडल एजेंसी बनाया गया था। राज्य नागरिक आपूर्ति निगम ने इस संबंध में एक टेण्डर जारी कर दिया है, यह टेण्डर निर्धारित शर्तों के अनुसार चालू माह में खोला जाएगा। इसका प्रपत्र खोलने और बंद करने की तिथि अलग-अलग है। यह चना करोड़ों रूपए की लागत से खरीदा जाना है, इसका वितरण छत्तीसगढ़ राज्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत किया जाएगा।

राज्य शासन द्वारा टेण्डर का बीड खोला जाएगा, जिसमें सबसे ज्यादा बोली लगाने वालों को ही यह टेण्डर दिया जाना है। इसमें एक शाही परिवार के सदस्यों की भी सक्रिय भागीदारी है, जिसके चलते यह ठेका लेना अन्य व्यापारियों के लिए कॉफी मुश्किल हो गया है। राज्य शासन के नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा हाईकोर्ट में एक केबिएट दायर किया गया है। बताया जाता है कि इस पुरे ठेके के पीछे एक चर्चित फर्म का शामिल होना है, इस फर्म द्वारा पिछले कई वर्षों से चना आपूर्ति का ठेका लिया जा रहा था। जबकि कैबिनेट में चना वितरण को लेकर आदिवासी मंत्रियों में एकजुटता नहीं दिखाई दी थी।

छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा नियमानुसार हाईकोर्ट में एक कैबिएट लगाया गयाहै, जिसमें हाईकोर्ट से अनुरोध किया गया है कि वर्ष 2025-26 के लिए ई-ऑक्शन टेण्डर के लिए किसी अनावेदक द्वारा जारी याचिका पर सुनवाई करने से पहले शासन का पक्ष सुने, ताकि एक तरफा आदेश जारी न हो सके। नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा एक वकील द्वारा यह याचिका दायर की गई है, जिसमें अनावेदक द्वारा स्थगन आदेश देने के लिए शासन का पक्ष सुना जाना जरूरी है।

नए सुधारों से नागरिकों का जीवन होगा आसान, उद्योग-व्यापार को मिलेगी नई ऊर्जा

रायपुर। जीएसटी काउंसिल ने टैक्स ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव करते हुए कई रोजमर्रा की वस्तुओं, शिक्षा सामग्री, दवाइयों, इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहनों पर जीएसटी दरें घटा दी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस फैसले का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, नए सुधारों से नागरिकों का जीवन आसान होगा और उद्योग-व्यापार को नई ऊर्जा मिलेगी। सीएम साय ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, नेक्स्ट जनरेशन त्रस्ञ सुधारों की दिशा में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक और ऐतिहासिक निर्णय लिया है.आयकर में 12 लाख तक की छूट के बाद अब त्रस्ञ में भारी कमी कर दी गई है। इससे रोज़मर्रा की ज़रूरत की वस्तुएं, खेती-किसानी के उपकरण, खाने-पीने की चीज़ें, दवाइयां, शिक्षा सामग्री, मनोरंजन की वस्तुएं, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक एप्लाइंसेस भी सस्ते हो गए हैं। कई आवश्यक वस्तुओं पर टैक्स दर अब शून्य कर दी गई है। यह निर्णय इज ऑफ डुइंग बिजनेस और इज ऑफ लिविंग के दिशा में प्रधानमंत्री के महत्वपूर्ण कदम को दर्शाता है। जिससे नागरिकों का जीवन सरल होगा और उद्योग-व्यापार को नई ऊर्जा मिलेगी। नवरात्रि के पावन पर्व से लागू होने वाला यह प्रावधान प्रधानमंत्री की आम आदमी के जीवन को आसान बनाने और देश की अर्थव्यवस्था को गति देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

कांग्रेस में अंर्तकलह फिर आई सामने, बैठक में उलझे जिला अध्यक्ष, चौबे पर अनुशासनहीनता का आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस का आंतरिक कलह एक बार फिर सुर्खियों में है.। पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे ने हाल ही में कहा था कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल को पीसीसी अध्यक्ष की कमान सौंप देनी चाहिए। उनके इस बयान को लेकर पार्टी के अंदर सियासी हंगामा मच गया।

बुधवार को कांग्रेस की बैठक में यह मुद्दा गरमा गया। जिलाध्यक्ष आपस में भिड़ गए तो नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने नेताओं को अपने-अपने चमचों को संभालने की नसीहत दे डाली। वहीं प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा, कांग्रेस की बैठकें चर्चा और संगठन की मजबूती के लिए होती हं, न कि झगड़े के लिए।

चरण दास महंत का चमचों वाला बयान पार्टी के भीतर डैमेज को कंट्रोल करने की कवायद माना जा रहा है। साथ ही पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने बीजेपी पर हमला कर यह बता दिया कि कांग्रेस होने वाले किसी भी सियासी हमलों से निपटना जानती है।

नेता प्रतिपक्ष ने जताई चिंता

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि

पार्टी की बातें बाहर जाना चिंता का विषय है। उन्होंने साफ कहा कि हम लोग एक-दूसरे को मुख्यमंत्री और अध्यक्ष बना रहे हैं, लेकिन यह गलती नेताओं की नहीं बल्कि उनके चमचों की है। महंत ने जिला अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं से कहा कि सभी अपने-अपने चमचों को संभाल कर रखें।

बैज का बीजेपी पर निशाना

मीटिंग में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, भाजपा को पहले अपना घर संभालना चाहिए। एक तरफरवि भगत लगातार कभी गृहमंत्री, कभी प्रभारी मंत्री, कभी मुख्यमंत्री को पत्र लिख रहे हैं। ऐसे में भाजपा कांग्रेस पर उंगली उठाने से पहले अपने संगठन की स्थिति देखे। उन्होंने कहा, कांग्रेस की चर्चा संगठन को मजबूत करने और जनता की लड़ाई लड़ने के लिए होती है।

कांग्रेस के नेताओं में आपसी विवाद के बाद स्थिति बिगड़ती देख नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने बीच-बचाव किया और सभी को शांत कराया। उन्होंने कहा, कांग्रेस का चुनाव सबके नेतृत्व में लड़ा जाएगा। बैठक के अंत में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने सीधे तौर पर कहा कि उन्हें कमजोर न समझा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे हर सवाल और बयान का जवाब देने में सक्षम हैं।

देश का आर्थिक ढांचा होगा मजबूत - किरण देव

जगदलपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लिया गया जीएसटी नेक्स्ट जनरेशन से जुड़ा निर्णय स्वर्णिम फैसला है। इस फैसले से समाज के हर वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा।बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि अब सिर्फ दो जीएसटी स्लैब होंगे – 5त्र और 18त्र। इसका अर्थ है कि 12त्र और 28त्र वाले स्लैब को समाप्त कर दिया गया है और इनमें शामिल अधिकांश वस्तुएँ अब दो स्वीकृत टैक्स स्लैब में समाहित होंगी। इसके चलते कई सामान सस्ते हो जाएंगे। वहीं, विलासिता और हानिकारिक वस्तुओं के लिए 40त्र का एक अलग स्लैब मंजूर किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के समग्र विकास और आर्थिक ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। इसी कड़ी में लिया गया यह निर्णय समानता और समावेशी विकास को नई मजबूती प्रदान करेगा।

खाद की किल्लत से जूझते किसानों के समर्थन में उतरे कांग्रेस कार्यकर्ता

किसानों के साथ विरोध प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

जगदलपुर । इन दिनों प्रदेश सहित बस्तर जिले के भानपुरी तहसील क्षेत्र के भी किसान खाद कि कमी से जूझ रहें हैं। खाद की इस समस्या को लेकर कांग्रेसियों ने किसानों के साथ रैली निकाली और ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान कांग्रेसियों का कहना था फसल बुआई के समय से लेकर अब तक किसानों को खाद के लिए भटकना पड़ रहा है, खाद की कमी का भरपूर फायदा बिचौलिए उठा रहें हैं। निजी खाद बीज विक्रेता कई गुना अधिक दामों पर खाद बेच रहें हैं। 250 रुपए में मिलने वाली यूरिया को 1300 रुपए में बेच रहें हैं, 1400 रुपए की डीएपी 2500 रुपए में बिक रही है। किसान फसल नुकसानी को देख अधिक दामों पर भी खाद खरीदने को मजबूर हैं। किसानों की समस्या का समाधान होता नहीं दिख रहा है सुध लेने वाला कोई नहीं है, विभाग मौन है कहीं न कहीं शासन प्रशासन द्वारा किसानों की उपज को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से खाद कि आपूर्ति को रोका जा रहा है। पूर्व विधायक चंदन कश्यप ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सरकार के दौरान हमने किसानों के हित का ध्यान रखकर कार्य किया था, जिसका लाभ किसानो को मिल रहा था और किसानों की आय में इजाफा हो रहा था। आज किसान भाजपा की सरकार मे स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहें हैं, कांग्रेस पार्टी आज भी किसानों के साथ है। एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन के माध्यम से सहकारिता विभाग कार्यालय करंदोला (भानपुरी) पहुंच ज्ञापन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाह रहे हैं और तत्काल समस्या से निजात दिलाने की मांग करते हैं।आने वाले दिनों मे खाद के मामले मे यही स्थिति रही तो कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ आंदोलन का रुख अपनाएगी, किसानों की समस्या को देखते हुए शासन त्वरित रूप से खाद की कमी को दूर करने की दिशा मे कार्य करे ऐसी मांग रखी गई है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

मोदी सरकार की संकल्प-शक्ति देखती दुनिया

ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री का बड़ा हिस्सा संगठित जुआ बना हुआ है। इसलिए इसे प्रतिबंधित करने के लिए लाए गए विधेयक को देर से, लेकिन सही दिशा में उठाया गया कदम माना जाएगा। यह भी स्वागतयोग्य है कि इसके दायरे में उन ऑनलाइन गेम्स को नहीं रखा गया है, जिसमें पैसे का लेन-देन नहीं होता। बहरहाल, इस इंडस्ट्री से बहुत बड़े स्वार्थ जुड़े हुए हैं। इसलिए बिल पारित होने के बाद भी प्रस्तावित कानून के प्रभावी ढंग से लागू हो पाने को लेकर आशंकाएं बरकरार हैं। गेमिंग इंडस्ट्री इसे न्यायपालिका में चुनौती देने की तैयारी में है। इसके अलावा उसने प्रोमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के खिलाफ सरकार और अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए बड़े पैमाने पर लॉबिंग शुरू कर दी है।

बेशक, स्वस्थ स्थिति यह होगी कि ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री में रोजगार-शुदा लोगों के पुनर्वास की उचित व्यवस्था की जाए।

हवा में खुशबू बन जाऊंगा मैं

तेरी पलकों में समाँ जाऊंगा मैं।
तेरे स्वप्न में आज आ जाऊंगा मैं।

महकती बयार बन जाएगी तू,
तेरी सांसों में समा जाऊंगा मैं।।

.

महलों की अजीम शान है तू।
तेरे लिए शीशा बन जाऊंगा मैं ।।

कहां खोजूं किस दर पर जाऊं ।
तलाश में तेरी बावरा जाऊंगा मैं।।

न तेरा पता ना तेरी कोई खबर,
बिन तेरे अंधेरे में खो जाऊंगा मैं ।।

तेरी यादों का सबब मैं तो नही
यादों की महक बन जाऊंगा मैं द्यद्य

सितारों की रोशनी से रोशन तू,
रातों का जुगनू बन जाऊंगा मैं।

तेरी अंखियों में अपनी शरारत छोड़
,
हवा में तसव्वुर बन जाऊंगा संजीव

– संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra-Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

श्रद्धा दीयते यत् तत् श्राद्धम्

पं. चन्द्रभूषण शुक्ला
संस्कृत भाषा के प्रचारक

वर्तमान वैज्ञानिक युग की अनेक युवा पीढी के मन में ऐसी अनुचित धारणा उभरती है कि कर्मकांड , श्राद्ध कर्म आडंबर है जो धर्मशिक्षा का अभाव, ब्राह्मणों के प्रति विद्वेष भाव, अध्यात्म के विषय में अनास्था, पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव, धर्मद्रोही संगठनों द्वारा हिंदू धर्म की प्रथा-परंपराओं पर सतत द्वेषपूर्ण प्रहार इत्यादि का यह परिणाम है । श्राद्ध के विषय में निम्न स्तर का सोच विचार भी समाज में दृष्टिगोचर होते हैं। पूजा-पाठ एवं श्राद्ध पक्ष पर विश?वास न करने वाले अथवा समाजकार्य को ही सर्वश्रेष्ठ बताने वाले कहते हैं, 'पितरों के लिए श्राद्ध न कर, ब्राह्मणों को दान न कर गरीबों को अन्नदान करेंगे अथवा किसी वृद्धाश्रम या पाठशाला की सहायता करेंगे' ! ऐसा अनेक लोग करते भी हैं ! लेकिन यदि कोई बीमार है तो उसे दवाई की आवश्यकता पहले होगी न की कोई दूसरी समाग्री की। इन जगहों पर ऐसे सोच वाले दानदाता जितना चाहे उतना दान करिये लेकिन उन्हें अपने पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध कर्म भी अवश्य करना चाहिए।

भारतीय संस्कृति का कथन है कि, जिस प्रकार माता-पिता एवं निकटवर्तीय परिजनों की जीवितावस्था में हम उनकी सेवा धर्मपालन समझकर करते हैं, उसी प्रकार उनकी मृत्यु के पश?चात् भी उनके प्रति कुछ कर्तव्य होते हैं । इन कर्तव्यों की पूर्ति एवं उनके द्वारा पितृऋण चुकाने का अवसर श्राद्धकर्म से मिलता है। बाल्यकाल में फूल समान हमें संभालने वाले हमारे माता-पिता, दादा-दादी, नाना - नानी की मृत्युपरांत की यात्रा सुखमय और कष्टरहित हो, उन्हें सद्गति मिले, इस हेतु श्राद्ध विधि आवश्यक है । श्राद्ध न करने पर पितरों की अतृप्त इच्छाओं के कारण, ऐसे पितर अनिष्ट शक्तियों के पाश में फंसकर उनके दास बन जाते हैं। अनिष्ट शक्तियों द्वारा पितरों का अनुचित लाभ उठाए जाने की एवं परिजनों को कष्ट दिए जाने की आशंका अधिक रहती है । श्राद्धविधि के कारण पितरों के कष्टों से मुक्त होकर हमारा जीवन भी सुसह्य एवं सुखमय बनता है और विशिष्ट फलप्राप्ति भी होती है ।

'श्रद्धा' शब्द से 'श्राद्ध' शब्द की निर्मिति हुई है । श्रद्धा दीयते यत् तत् श्राद्धम् कहा गया है अर्थात् श्रद्धापूर्वक देना ही श्राद्ध है। यह परिजन के जीवित रहते एवं मृत्यु बाद दोनों पर लागू होता है। हमें उनका ख्याल श्रद्धापूर्वक करना चाहिए। इहलोक छोड कर गए हमारे पूर्वजों ने हमारे लिए जो कुछ किया, वह उन्हें लौटाना असंभव है । पूर्ण श्रद्धा और सम्मान से उनके लिए जो किया जाता है, उसे ही 'श्राद्ध' कहते हैं ।

अपने कुल में जिन मृत व्यक्तियों को उनकी अतृप्त वासनाओं के कारण सद्गति प्राप्त न हुई हो अर्थात वे उच्च लोक में न जाकर निम्न लोक में अटकी हों, तो उनकी इच्छा-आकांक्षाओं को श्राद्ध विधियों द्वारा पूर्ण कर, उन्हें आगे की गति प्राप्त कराया जाता है। कुछ पितरों को उनके कुकर्मों के कारण पितृलोक की प्राप्ति न होकर, भूतयोनि की प्राप्ति होती है । ऐसे पितरों को श्राद्ध द्वारा उस योनि से मुक्त किया जाता है।

श्राद्ध का महत्त्व एवं आवश्यकता क्या है - इस पर माँ महामाया मन्दिर के ज्योतिषी एवं भागवताचार्य पंडित मनोज शुक्ला बताते हैं कि धर्मशास्त्र में कहा गया है, ''देव, ऋषि एवं समाज, इन तीन ऋणों के साथ, पितृऋण चुकाना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है'' पितरों का आदर करना, उनके नाम से दानधर्म करना एवं उनके लिए संतोषजनक कृत्यों को करना, उनके वंशजों के कर्तव्य हैं । श्राद्ध, धर्मपालन का ही एक भाग है ।

'गर्भधारण के पश?चात् उस अर्भक का (शिशुका) जन्म सुख से होना चाहिए । गर्भ में जीव का प्रवेश, उसका संवर्धन, गर्भवती माता की प्रसन्नता एवं सहज सुलभ प्रसूति, क्या केवल औषधि से होती है ? उसके लिए ईश?वरीय कृपा चाहिए; विश?व की निर्मिति करने वाली शक्ति की कृपा चाहिए । पितर वंशरक्षक होते हैं, अतः शाश?वत कुलधर्म, श्राद्धादि धर्म का कड़ा पालन करना पड़ता है । कुलधर्म न किए जानेपर, मातृदोष एवं पितृदोष में वृद्धि होनेपर, उस परिवार का विध्वंस होता है, दुःख कष्ट भोगना पड़ता है। श्राद्धादि कुलधर्म के पालन से वंशशुद्धि निश?चित है । इसलिए शाश?वत कुलधर्म, श्राद्धादि धर्म का पालन करना चाहिए ।'

संस्कृत भाषा के प्रचारक पं. चन्द्रभूषण शुक्ला बताया कि *श्राद्ध में 3 बातों का ध्यान रखना चाहिए* - शुद्धता, अक्रोध एवं अत्वरा अर्थात शीघ्रता न करना । श्राद्ध के दिन भगवद्गीता का सातवां अध्याय पढ़ना चाहिए। गीता का सातवां अध्याय मनुष्य को जरा-मृत्यु से मुक्त करता है । श्राद्ध में आस्था से लाभ मंत्र ही श्राद्धकर्म में अर्पित पदार्थों को वहां पहुंचाते हैं, जहां आवाहित जीव उपस्थित रहता है। श्राद्ध के मंत्र में पूर्वजों के नाम, गोत्र आदि का उल्लेख होने से वे समर्पित पदार्थ को उन तक पहुंचाते हैं, चाहे वे संसार में कहीं भी और किसी भी योनि में हों । श्राद्ध के अन्नादि पदार्थों से वे तृप्त होते हैं ।

परिवार में किसी प्रकार का विकलांग या समान्य प्रकृति का अथवा माता-पिता को दुख पहुंचाने वाले बच्चों के जन्म का कारण भी पितरों की अतृप्ति है । जिन्होंने अपने पूर्वजों को तृप्त नहीं किया और उनकी पूजा नहीं की, उन्हें सम्मान नहीं दिया, अपने माता-पिता को तृप्त नहीं किया, उनके बच्चे भी उन्हें तृप्त नहीं करते । श्राद्ध का एक विशेष लाभ यह है कि मृत्यु के पश?चात भी जीव का अस्तित्व होता है, इसका बोध रहता है।

विविध शास्त्रों में पितृकार्य का विशेष महत्त्व बताया गया है -

कुर्वीत समये श्राद्धं कुले कश?चिन्न सीदति ।
आयुः पुत्रान् यशः स्वर्गं कीर्तिं पुष्टिं बलं श्रियम् ॥
पशून् सौख्यं धनं धान्यं प्राप्नुयात् पितृपूजनात् ।
देवकार्यादपि सदा पितृकार्यं विशिष्यते।
देवताभ्यः पितृणां हि पूर्वमाप्यायनं शुभम् ॥
(स्मृतिचन्द्रिका)

अर्थ : श्राद्ध सदैव उचित समय पर करना चाहिए । ऐसा करने से वंश में कोई दुखी नहीं रहता । पूर्वजों के पूजन से मनुष्य को दीर्घायु, पुत्र, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुष्टि, बल, ऐश?वर्य, पशुधन, सुख एवं धन-धान्य की प्राप्ति होती है । देवताकार्य की तुलना में पितृकार्य का महत्त्व अधिक है । इसलिए, देवताओं की पूजा से पहले पूर्वजों की पूजा करनी चाहिए । विवाह आदि कर्म में इसलिए पितर पूजन किया जाता है और विवाह मांगलिक कार्य अच्छे से संपन्न होने तथा वंश वृद्धि हेतु पितर का आव्हान कर पूजन किया जाता है। पूर्वजों को प्रसन्न करना, अधिक कल्याणकारी होता है । इसलिए सभी अनुष्ठानों में पूर्वजों की पूजा की जाती है ।

'सुमंतुऋषि कहते हैं, वृक्षाद्धात् परतरं नान्यत् श्रेयस्करमुदाहृतम् ।' अर्थात श्राद्ध से अधिक कल्याणकारी दूसरा कर्म नहीं । इसीलिए विवेकी मनुष्य को श्राद्ध के विषय में आलस्य नहीं करना चाहिए ।

किसी मृत व्यक्ति की श्राद्ध की इच्छा पूरी न होने पर, उसे दुःख होता है और वह पिशाच (एक प्रकार की अनिष्ट शक्ति) बनकर, अपने परिजनों पर क्रोध कर सकता है । दुख पहुँचा सकता है।

किसी व्यक्ति को लग सकता है कि 'श्राद्ध करना व्यर्थ है; इसलिए मेरी मृत्यु के उपरांत मेरे लिए श्राद्ध न किया जाए ।' परंतु, मृत्यु के उपरांत वह अनुभव करे कि श्राद्ध न होने से 'मैं मृत्युलोक में भटक रहा हूं', तो वह अपने मन की बात व्यक्त नहीं कर सकता । इच्छा पूरी न होने से वह दुःखी हो सकता है । अतः, प्रत्येक के लिए श्राद्ध करना उचित है ।

किसी व्यक्ति का श्राद्ध करने से उसके साथ हमारा लेन-देन पूरा होता है । उदाहरणार्थ, हमपर किसी का ऋण हो और उसे चुकाने से पहले ही उस व्यक्ति का देहांत हो जाए, तो ऋण चुकाने के लिए उसका श्राद्ध करें। श्राद्ध करने से पितर संतुष्ट होकर आशीर्वाद देते हैं । साथ ही, मर्त्यलोक में भटकने वाले पितरों को गति मिलती है और उनके कारण होनेवाले हमारे कष्टों का अंत होता है ।

श्राद्ध करने से पितरों को गति मिलती है, इसलिए यह प्रतिवर्ष श्राद्ध पक्ष में करना आवश्यक है। व्यक्ति की मृत्युतिथि पर श्राद्ध करने पर, श्राद्ध-भोजन का सूक्ष्म अंश उसकी सूक्ष्म-देह के लिए वर्षभर चलता है । जब तक आशा-इच्छा रहती है, तब तक वह मृत व्यक्ति अपनी मृत्युतिथि पर अपने वंशजों से भोजन मिलने की आशा करता है । श्राद्ध करने से वह तृप्त (संतुष्ट) होता है तथा उसे आगे (उच्च लोकों में) जाने के लिए ऊर्जा भी मिलती है । वैसे भी, शास्त्र के अनुसार इस विश्व में रहने तक, पितरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए प्रतिवर्ष श्राद्ध अवश्य करना चाहिए ।

कलियुग के वायुमंडल में रज-तम की मात्रा अधिक रहती है । इसलिए, बहुत थोडे लोग ही साधना करते हैं । अधिकतर लोगों की इच्छाएं पूरी नहीं होतीं । ऐसे लोगों के पास मृत्यु के पश्चात इतनी ऊर्जा नहीं रहती कि वे मृत्युलोक पार कर सकें। इसलिए, वे मृत्युलोक में ही भटकते रहते हैं । तीर्थक्षेत्र में श्राद्ध करने से उन्हीं पितरों को आगे जाने के लिए ऊर्जा मिलती है, जिनका आगे जाने का समय आ चुका होता है। शेष पूर्वजों के लिए प्रतिवर्ष श्राद्ध करना आवश्यक है । **यह निजी विचार है।**

नक्शे राष्ट्रों के हथियार हैं, जिनकी रेखाएँ भूगोल से नहीं, ताक़त से बदलती हैं

श्रुति व्यास

नक़्शा–तीन अक्षरों का छोटा-सा शब्द, मासूमियत से भरा और तभी अक्सर नज़रअंदाज़ किया जाने वाला। हमें सिखाया गया कि यह बस दुनिया का एक चित्र है। एक पन्ना जिस पर महाद्वीप ऐसे चिपके हैं मानो नीले समुद्र पर तैरते कागज़ी कट-आउट हों। अक्षांश-देशांतर की रेखाएँ उसे थामे रहती हैं, भूमध्य रेखा बेल्ट की तरह उसे संतुलन देती है। बच्चे के लिए यह तथ्य है, छात्रों के लिए पाठ, और हममें से अधिकतर के लिए एक सामान्य आवश्यकता।

लेकिन नक़्शा, यह छोटा शब्द, असल में बहुत भारी और महत्वपूर्ण है। नक़्शे कभी मासूम नहीं होते। वे निष्पक्षता का भ्रम रचते हैं, और यही भ्रम उनकी सबसे बड़ी ताक़त है। और हम इसे महसूस नहीं करते–जब तक कि अचानक महसूस न हो जाए। एशिया फैलता जाता है, लेकिन उत्तर अमेरिका असमान रूप से बड़ा खींचा जाता है। यूरोप–छोटा-सा भूभाग–केंद्र में इतरा कर बैठा है, आकार से कहीं ज़्यादा आत्मविश्वास झलकाते हुए। ऑस्ट्रेलिया कोने में लटकता, ध्यान खींचने की कोशिश करता है। और अफ़्रीका–हमेशा विशाल, हमेशा अनिवार्य–नीचे खिसकाया गया, सिकुड़ा हुआ, मानो किसी शांत उपसंहार की तरह।

नक़्शा निष्पक्ष होने का दिखावा करता है, पर हर रेखा एक चुनाव है, हर छूट एक फ़ैसला, हर प्रोजेक्शन एक दृष्टिकोण। यह हमें बताता है कि कौन केंद्र में है और कौन हाशिए पर, कौन बड़ा है और कौन ग़ैर-ज़रूरी। नक़्शे दर्पण भी हैं और मिथक भी–धरती को दिखाते हुए उसे किसी की दृष्टि के अनुसार मोड़ देते हैं। नक़्शा पढ़ना मतलब राजनीति पढ़ना है–मौन में। सरहदें, अनुपात, रिक्त जगहें–सबमें नक़्शानवीस का अधिकार दर्ज होता है। सीमाएँ कहाँ खींचनी हैं, कौन-सा भूभाग उभारना है, क्या मिटा देना है–ये वैज्ञानिक दुर्घटनाएँ नहीं, दृष्टि के और अक्सर विजय के कार्य होते हैं।

वह परिचित मर्केटर नक़्शा–जो हमारी स्मृतियों में दर्ज है और आज भी गूगल पर चलता है–अब चुनौती के घेरे में है। अफ़्रीकी संघ ने कह दिया है कि बहुत हुआ, अब और बरदास्त नहीं। इस महीने उसने 16वीं सदी की मर्केटर प्रोजेक्शन–जो अब तक स्कूलों, किताबों और संस्थानों का डिफ़ॉल्ट था–को छोड़ने के अभियान का समर्थन किया। इसकी जगह ऐसा नक़्शा लाने की माँग है जो अफ़्रीका को उसके असली पैमाने पर रखे।

मर्केटर प्रोजेक्शन सच्चाई के लिए नहीं बना था। 1569 में गेरार्डस मर्केटर ने इसे नाविकों के लिए तैयार किया था–ताकि समुद्र पर सीधी रेखाएँ मिलें, न कि ज़मीन का ईमानदार अनुपात। और इसी में अफ़्रीका सिकुड़ गया और यूरोप फूल गया। यह विकृति सुविधाजनक साबित हुई– यूरोप मज़बूत दिखा, और उपनिवेशित महाद्वीप छोटे, तुच्छ। ताक़त नक़्शे पर खींची गई और अफ़्रीका को छोटा कर दिया गया।

यह केवल नक़्शानवीसों की बारीक़ी का झगड़ा नहीं, बल्कि इतिहास का घाव है। क्योंकि नक़्शे सिर्फ़ महाद्वीपों को नहीं बिगाड़ते, वे तक़दीरें भी बदलते हैं। जल्दबाज़ी में खींची गई सरहदें, भूगोल या संस्कृति की परवाह किए बिना, पीढ़ियों तक ख़ून बहाती हैं। भारत-पाकिस्तान की रेखा ऐसी ही चोट थी। ब्रिटिश वकील सिरिल रैडक्लिफ़–जिन्होंने उपमहाद्वीप में कभी क़दम नहीं रखा था–से पाँच हफ्तों में देश बाँटने को कहा गया। उनकी स्याही ने गाँव, परिवार, इतिहास बाँट डाले। यह याद दिलाते हुए कि नक़्शे राह दिखाते ही नहीं, घाव भी देते हैं।

भारत-चीन की सीमा पर भी वही भूत है। 1914 में खींची गई मैकमोहन रेखा–औपनिवेशिक अफ़सर की कलम से–आज भी विवाद का कारण है। उसकी पराई स्याही अब भी हिमालय में संघर्ष भड़काती है। और यह विकृति सिर्फ़ अतीत तक सीमित नहीं। आज भी दुनिया की नक़्शानवीस ताक़तें–अमेरिका का गूगल, चीन के राज्य एटलस, वाशिंगटन के आधिकारिक नक़्शे–सरहदों को राजनीति के दावों के अनुसार मोड़ते हैं। नक़्शे राष्ट्रों के हथियार हैं, जिनकी रेखाएँ भूगोल से नहीं, ताक़त से बदलती हैं।

इस दृष्टि से देखें तो मर्केटर के ख़िलाफ़ अफ़्रीका का विरोध एक बड़े हिसाब-किताब का हिस्सा है। सदियों तक नक़्शे साम्राज्यों के औज़ार रहे हैं–किसी को सिकोड़ने, किसी को बढ़ाने, कुछ सरहदों को वैध ठहराने और कुछ को कुचलने का। नक़्शे को सुधारना सिर्फ़ काग़ज़ पर अनुपात ठीक करना नहीं है। यह गरिमा की माँग है–हाशिए पर नहीं, केंद्र में देखे जाने की माँग।

शायद इसी वजह से अफ़्रीकी संघ की माँग गूँजती है। यह घमंड का मामला नहीं, भूगोल का नहीं। यह नज़र का मामला है–दृष्टि को वापस लेने का। नक़्शा–तीन अक्षरों का छोटा-सा शब्द–इतिहास का बोझ ढो रहा है, और अब उसे फिर से लिखा जाने की माँग उठ रही है। और ठीक ही है। क्योंकि अगर नक़्शे झूठ बोल सकते हैं, तो उन्हें सुधारा भी जा सकता है। और जिस दिन अफ़्रीका अपने असली पैमाने पर खींचा जाएगा, उस दिन शायद दुनिया को भी ख़ुद को नए सिरे से देखना पड़ेगा।

यह निजी विचार है।

'विज्ञान पुत्र' : प्रेरणा और महानता की एक यात्रा

डॉ.कलाम केवल वैज्ञानिक ही नहीं बल्कि एक महान प्रेरक भी थे

समीक्षक : उमेश कुमार सिंह

भारत की आधुनिक वैज्ञानिक यात्रा में यदि किसी व्यक्तित्व ने जनमानस पर गहरा प्रभाव छोड़ा है तो वे हैं मिसाइल मैन और भारत के ग्यारहवें राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम। सरल जीवन, महान उद्देश्य और युवाओं को प्रेरित करने वाला व्यक्तित्वङ्कयही उनकी पहचान है। लेखक डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने अपनी पुस्तक विज्ञान पुत्रः डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम में उनके बचपन से लेकर राष्ट्रपति बनने तक की यात्रा को अत्यंत सरल, प्रेरणादायी और तथ्यपरक ढंग से प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक केवल जीवनी नहीं बल्कि एक मार्गदर्शक है, जो बताती है कि कैसे साधारण परिस्थितियों में जन्मा व्यक्ति भी अपने समर्पण, साधना और ज्ञान की शक्ति से असाधारण ऊँचाइयाँ छू सकता है।

पुस्तक विज्ञान पुत्रः डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का मुख्य उद्देश्य भारत के मिसाइल मैन और ग्यारहवें राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम के व्यक्तित्व और कृतित्व को पाठकों तक सरल और प्रेरणादायी रूप में पहुँचाना है। लेखक डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने उनके जीवन के हर पहलू को बड़ी संवेदनशीलता और तथ्यात्मकता से प्रस्तुत किया है। साधारण परिवार में जन्म लेकर कठिन परिस्थितियों के बावजूद विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में महान उपलब्धियाँ हासिल करने वाले डॉ. कलाम का जीवन हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

लेखक स्वयं पत्रकारिता और साहित्य की दुनिया का जाना-माना नाम हैं। उन्होंने अब तक 26 पुस्तकें लिखी और संपादित की हैं। आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए भी उन्होंने अनेक कार्यक्रम और नाट्य रूपांतरण तैयार किए हैं। उनकी भाषा प्रवाहपूर्ण और सरल है। इसी कारण यह पुस्तक हर वर्ग के पाठकों के लिए आकर्षक और उपयोगी बन जाती है।

पुस्तक में डॉ. कलाम के बचपन से लेकर राष्ट्रपति बनने तक की यात्रा का विस्तार से वर्णन है। बचपन में पक्षियों को उड़ते देख उनमें भी आकाश छूने की इच्छा जगी। उन्होंने वायुसेना में पायलट बनने का सपना देखा, लेकिन उसमें सफलता न मिलने पर हतोत्साहित होने की बजाय नए अवसरों की ओर बढ़े। उन्होंने वैज्ञानिक अभियान्त्रिकी को चुना और बाद में इसरो तथा रक्षा अनुसंधान संगठन में काम करते हुए भारत के पहले उपग्रह प्रक्षेपण यान एसएलवी-3 के विकास में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद अग्नि और पृथ्वी जैसी स्वदेशी मिसाइलों के विकास का नेतृत्व किया और एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम के मुख्य वास्तुकार बने। पोखरण द्वितीय परमाणु परीक्षण में उनकी भूमिका संगठनात्मक और तकनीकी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

लेखक ने पुस्तक में यह स्पष्ट किया है कि डॉ. कलाम केवल वैज्ञानिक ही नहीं बल्कि एक महान प्रेरक भी थे। वे बच्चों और युवाओं से सीधा संवाद करना पसंद करते थे। राष्ट्रपति बनने के बाद भी उन्होंने युवाओं को प्राथमिकता दी और उन्हें राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित कर प्रेरित किया। वे कहा करते थे कि सपने वो नहीं जो सोते समय देखे जाते हैं, बल्कि सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते। उनका मानना था कि बड़े सपने ही जीवन को दिशा देते हैं और उन्हें साकार करने की शक्ति प्रदान करते हैं।

पुस्तक में डॉ. कलाम के व्यक्तित्व और कृतित्व का संतुलित चित्रण मिलता है। उनके वैज्ञानिक योगदान के साथ-साथ उनके धार्मिक और आध्यात्मिक विचारों को भी स्थान दिया गया है। लेखक यह दिखाने में सफल रहे हैं कि विज्ञान और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि पूरक हैं। कलाम का जीवन इस बात का उदाहरण है कि गहराई से धार्मिक भावनाएँ रखने वाला व्यक्ति आधुनिक विज्ञान का भी उतना ही बड़ा साधक हो सकता है।

पुस्तक का सबसे बड़ा गुण इसकी प्रेरणादायी शैली है। यह युवाओं को यह संदेश देती है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी ही कठिन क्यों न हों, यदि संकल्प और परिश्रम हो तो सफलता अवश्य मिलती है। यह भी स्पष्ट होता है कि व्यक्तिगत उपलब्धियाँ तभी सार्थक हैं जब उनका उपयोग राष्ट्र और समाज के हित में किया जाए।

समग्र रूप से यह कहा जा सकता है कि विज्ञान पुत्रः डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम केवल एक जीवनी नहीं बल्कि एक आदर्श जीवन का दस्तावेज है। यह पुस्तक हर पाठक को यह सीख देती है कि बड़ा सपना देखना और उसे पूरा करने का साहस ही महानता की पहली सीढ़ी है। साधारण परिस्थितियों में जन्म लेकर भी यदि व्यक्ति में समर्पण, साधना और आत्मविश्वास है तो वह राष्ट्र और समाज के लिए नई दिशा दिखा सकता है। यह पुस्तक विशेषकर छात्रों, युवाओं, शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायी है।

पुस्तक : विज्ञान पुत्रः डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी सुधारों से भारत के वस्त्र क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा

वस्त्र उद्योग में जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने से विकृतियां दूर होंगी, उत्पादन लागत कम होगी, मांग बढ़ेगी, निर्यात को समर्थन मिलेगा और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी

वस्त्र उद्योग 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक की सिफारिशों का गर्मजोशी से स्वागत करता है

यह स्वागत योग्य कदम घरेलू खपत को बढ़ावा देगा और भारत के वस्त्र एवं परिधान बाजार को 2030 तक 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य की ओर ले जाएगा

पीआईबी

वस्त्र उद्योग ने 3 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में आयोजित जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक की सिफारिशं का हार्दिक स्वागत किया है। ये सिफ ारिशें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2025 को घोषित नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी सुधारों के अनुरूप हैं। उद्योग ने इन्हें भारत की कर व्यवस्था के नागरिक-केंद्रित और रणनीतिक विकास के रूप में वर्णित किया है।

'विरासत भी और विकास भी' की सच्ची भावना के अनुरूप, यह युक्तिकरण हस्तनिर्मित वस्तुओं को अग्रणी स्थान पर लाएगा और उनकी खपत को बढ़ावा देगा, जिससे लाखों बुनकरों और कारीगरों को उच्च मांग का लाभ मिलेगा।

इन ऐतिहासिक सुधारों से लागत में कमी आने, संरचनात्मक विसंगतियों को दूर करने, नौकरियों को बनाए रखने और फाइबर से लेकर फैशन और विदेशी बाजारों तक संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने की उम्मीद है। ये सुधार माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी 5एफफार्मूले (खेत से फाइबर, फैक्ट्री से फैशन, और विदेशी बाज़ार) के साथ पूरी तरह सामंजस्य रखते हैं, जिसका उद्देश्य भारत को वैश्विक वस्त्र महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है।

वस्त्र उद्योग में जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने से विकृतियाँ दूर होंगी, उत्पादन लागत कम होगी, माँग बढ़ेगी, निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। यह स्वागत योग्य कदम घरेलू खपत को प्रोत्साहित करेगा और भारत के वस्त्र और परिधान बाजार को 2030 तक 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य की ओर ले जाएगा।

मूल्य श्रृंखला को सशक्त बनाना

ये सुधार फाइबर स्तर पर विसंगतियों को ठीक करते हैं, धागे और कपड़े के स्तर पर लागत कम करते हैं, परिधान की सामर्थ्य में सुधार करते हैं, खुदरा स्तर पर मांग को पुनर्जीवित करते हैं, और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि ये उपाय भारत की फ ाइबर-तटस्थ नीति को मजबूत प्रोत्साहन देते हैं, जिससे कपास और मानव निर्मित क्षेत्रों में संतुलित विकास सुनिश्चित होता है।

जीएसटी के प्रमुख युक्तिकरण

रेडीमेड गारमेंट्स और मेड अप्स): रेडीमेड गारमेंट्स और मेड अप्स (एचएस (63053200, 63053300, 6309 के अलावा) को छोड़कर) की वस्तुओं पर 2,500/पीस (पहले ?1,000) तक 5त्न जीएसटी दर। इससे किफायती परिधान सस्ते हो जाते हैं, विशेषकर मध्यम वर्ग और निम्न आय वाले परिवारों के लिए। इससे टियर-2/3 शहरों और ग्रामीण बाजारों में मांग में फिर से वृद्धि होने की उम्मीद है। परिधान उद्योग की श्रम-प्रधान प्रकृति को देखते हुए, उच्च मांग से रोजगार कायम रहेगा और बढ़ेगा, विशेष रूप से सिलाई, टेलरिंग और फिनिशिंग इकाइयों में महिलाओं के लिए। इस कदम से मेक इन इंडिया ब्रांडों को भी समर्थन मिलेगा, जिससे उन्हें निम्न और मध्यम मूल्य वाले खंडों में सस्ते आयातों से प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी।

मानव निर्मित फ ाइबर और धागे: जीएसटी को 18%?5% (फ ाइबर) और 12% 5% (धागे) से घटाकर 12%-5% कर दिया गया। इससे उलटी शुल्क संरचना (आईडीएस) में सुधार होगा, फ ाइबर-धागा-कपड़ा दरों में समानता आएगी, तथा विनिर्माताओं पर लंबे समय से चल रहा कार्यशील पूंजी का बोझ समाप्त होगा। लघु एवं मध्यम इकाइयों में एमएमएफउत्पादन का बड़ा हिस्सा होने के कारण, इस कटौती से लागत दबाव कम होगा, नकदी प्रवाह मजबूत होगा, तथा भारतीय एमएमएफ आधारित परिधान वैश्विक स्तर पर अधिक मूल्य-प्रतिस्पर्धी बनेंगे - जिससे सिंथेटिक वस्त्रों और एमएमएफ परिधानों के केंद्र के रूप में उभरने की भारत की महत्वाकांक्षा को बल मिलेगा।

कालीन और फ र्श कवरिंग (एचएस 5701-5705): जीएसटी 12 % से घटाकर 5% कर दिया गया है। इससे भदोही और श्रीनगर जैसे क्लस्टरों से निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, पारंपरिक शिल्प को मजबूती मिलेगी और घरेलू बाजारों के सामर्थ्य में सुधार होगा।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ के बाद झेलम नदी के किनारे संरचनाओं का मलबा पड़ा हुआ है।

भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे और उनकी पत्नी ताशी डोमा उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

सिंगापुर में 16वीं भारत–सिंगापुर रक्षा कार्य समूह बैठक आयोजित

पीआईबी

16वीं भारत-सिंगापुर रक्षा कार्य समूह की बैठक 04 सितंबर, 2025 को सिंगापुर में हुई। इसकी सह-अध्यक्षता संयुक्त सचिव (अंतर्राष्ट्रीय सहयोग), रक्षा मंत्रालय, भारत श्री अमिताभ प्रसाद और निदेशक, नीति कार्यालय, रक्षा मंत्रालय, सिंगापुर कर्नल डैक्सन याप ने की।

बैठक में पिछले रक्षा मंत्रियों की वार्ता और विभिन्न द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पहलों के दौरान लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। इसने रक्षा संबंधी दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करने और बहुआयामी द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के साथ-साथ क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे के संपूर्ण क्षेत्र को शामिल करने वाली पहलों की गति को तेज़ करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया। यह विचार-विमर्श भारत और सिंगापुर के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रोडमैप पर नवीनतम संयुक्त वक्तव्य द्वारा निर्देशित था, जिसे नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और उनके सिंगापुरी समकक्ष श्री लॉरेंस वोंग के बीच बैठक के बाद जारी किया गया था। दोनों पक्षों ने चल रहे रक्षा सहयोग पर संतोष व्यक्त किया और सहयोग के मौजूदा क्षेत्रों, विशेष रूप से प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, उद्योग एवं प्रौद्योगिकी, समुद्री सुरक्षा और बहुराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में, को बढ़ाने के उपायों की पहचान की।

पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन सेशेल्स से रवाना हुआ

पीआईबी

आईएनएस तीर, आईएनएस शार्दुल और आईसीजीएस सारथी सहित प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन (1टीएस) के जहाज, लॉन्ग रेंज प्रशिक्षण तैनाती के एक सफल दौरे के साथ 4 सितंबर 2025 को पोर्ट विक्टोरिया, सेशेल्स से रवाना हुए। इस चार दिवसीय दौरे के दौरान, भारतीय नौसेना (आईएन) और सेशेल्स रक्षा बल (एसडीएफ) के बीच द्विपक्षीय गतिविधियों में कई व्यावसायिक आदान-प्रदान, प्रशिक्षण दौरे और सामाजिक संपर्क शामिल थे, जिससे दोनों समुद्री देशों के बीच संबंधों को मजबूती मिली।

बंदरगाह पर भ्रमण के दौरान, प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन वरिष्ठ अधिकारी कैप्टन तिजो के. जोसेफ ने आईएनएस शार्दुल और आईसीजीएस सारथी के कमांडिंग अधिकारियों के साथ, सेशेल्स के विदेश एवं पर्यटन मंत्री श्री सिल्वेस्ट्रे राडेगोंडे और रक्षा बलों के प्रमुख (सीडीएफ), एसडीएफ मेजर जनरल माइकल रोसेट से मुलाकात की। इस दौरान सेशेल्स और भारत के बीच स्थायी साझेदारी पर प्रकाश डाला गया और सेशेल्स रक्षा बलों और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच सैन्य सहयोग पर ज़ोर दिया गया।

1टीएस पोत पर एक डेक स्वागत समारोह आयोजित किया गया जिसमें एसडीएफ के वरिष्ठ नेतृत्व, प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्य, राजनयिक और अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। एसडीएफ के रक्षा बलों के प्रमुख मेजर जनरल माइकल रोसेट ने क्षेत्रीय समुद्री सहयोग को मज़बूत करने में भारतीय नौसेना के योगदान की सराहना की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत करने के लिए सेशेल्स की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

बंदरगाह पर प्रवास के दौरान, 1टीएस

पर आयोजित संयुक्त योग सत्रों में स्थानीय लोगों और प्रवासी भारतीयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भारतीय नौसेना के बैंड ने विक्टोरिया टाउन क्लॉक टॉवर पर एक अद्भुत प्रदर्शन में अपनी कुशलता का प्रदर्शन किया, जिसकी सेशेल्स के नागरिकों ने सराहना की। भारतीय नौसेना और एसडीएफ कर्मियों के बीच एक मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच खेला गया, जिससे दोनों सेनाओं के बीच समन्वय और सौहार्द बढ़ा। सामुदायिक आउटरीच गतिविधि के एक भाग के रूप में, पॉइंट लारु स्थित एक वृद्धाश्रम के निवासियों को आवश्यक आपूर्ति और चिकित्सा स्वास्थ्य जाँच प्रदान की गई।

भारतीय नौसेना के प्रशिक्षुओं के लिए यह यात्रा ज्ञानवर्धक रही, जिन्होंने सेशेल्स तटरक्षक बेस और समुद्री प्रशिक्षण एवं सहायता केंद्र का दौरा किया। इस क्रॉस- ट्रेनिंग यात्रा के एक भाग के रूप में, एसडीएफ कर्मियों को 1टीएस जहाजों पर छोटे हथियारों के संचालन और अग्निशमन का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा, सेशेल्स में ईएसपीएस नवरा की यात्रा के दौरान स्पेनिश नौसेना के साथ व्यावसायिक बातचीत भी हुई।

जितेंद्र सिंह ने कहा, भारत की विकास कहानी महानगरों से आगे भी है: 50% स्टार्टअप छोटे शहरों से उभर रहे हैं

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज विद्वतापूर्ण दीक्षांत समारोह में 1847 में स्थापित एशिया के पहले इंजीनियरिंग कॉलेज के रूप में आईआईटी रुड़की की सराहना की। साथ ही उन्होंने कहा कि यह अनुसंधान, नवाचार और सामाजिक सहभागिता का एक आदर्श उदाहरण है।

मंत्री ने कहा कि कल जारी एनआईएफ रेटिंग में भी इस संस्थान को देश में छठा स्थान मिला है। आईआईटी बनने से पहले यह संस्थान रुड़की विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता था।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने संस्थान से अपने बहुमुखी शैक्षणिक और भौगोलिक स्थिति के लाभ के साथ आपदा प्रबंधन से लेकर अर्थव्यवस्था तक हिमालयी अध्ययन करने का आग्रह किया।

मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पूरे भारत में 1.7 लाख स्टार्टअप हैं, जिनमें से आईआईटी रुड़की के लगभग 240 स्टार्टअप हैं। जो देश के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में इसके महत्वपूर्ण योगदान का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि आपके नौ उत्कृष्टता केंद्र, आपदा जोखिम में अग्रणी कार्य, अनुकूलन और स्थिरता, और वाइब्रेंट विलेज जैसी पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों के साथ आपका गहरा जुड़ाव आपको एक वास्तविक आदर्श बनाता है। उन्होंने कहा कि हिमालय क्षेत्र में संस्थान का होना न केवल आपदा प्रतिक्रिया में बल्कि आत्मनिर्भरता और विकास के निर्माण के लिए 'शांतिकाल कैलेंडर' के रूप में भी इसकी भूमिका को महत्वपूर्ण बनाता है।

मंत्री ने आईआईटी रुड़की को विभिन्न मंचों पर मिली मान्यता का उल्लेख करते हुए कहा कि संस्थान को लगातार चौथे वर्ष 'भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा सर्वाधिक नवोन्मेषी संस्थान

माननीय आवास और शहरी कार्य मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के 2.0 अंतर्गत अंगीकार 2025 अभियान का शुभारंभ किया

अंगीकार 2025: पीएमएवाई-यू 2.0 के बारे में जागरूकता फैलाने हेतु लास्ट माइल आउटरीच अभियान

पीआईबी

माननीय आवास और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने 4 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी 2.0 (पीएमएवाई-यू 2.0) के अंतर्गत लास्ट माइल आउटरीच अभियान ÷अंगीकार 2025÷ का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में माननीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू भी उपस्थित थे। इस अवसर पर आवास और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) के सचिव श्री श्रीनिवास कटिकिथला, सभी के लिए आवास (एचएफए) के संयुक्त सचिव और मिशन निदेशक (जेएस एवं एमडी) श्री कुलदीप नारायण और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

अंगीकार 2025 एक आउटरीच अभियान है। यह देश भर में इस योजना के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करके पीएमएवाई-यू 2.0 के कार्यान्वयन में तेजी लाएगा। योजना के अंतर्गत आवेदनों के सत्यापन में तेजी लाने और पीएमएवाई-यू के अंतर्गत पहले से स्वीकृत घरों के निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए भी तैयार किया गया है। अंगीकार 2025 का एक अन्य प्रमुख उद्देश्य हितधारकों को निम्न आय

आवास के लिए ऋण जोखिम गारंटी निधि ट्रस्ट (सीआरजीएफटीएलआईएच) योजना के बारे में सूचित करना है। यह अभियान सामुदायिक लामबंदी, लक्षित जुड़ाव और भारत सरकार की अन्य योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से अंतिम छोर तक वितरण और समग्र विकास सुनिश्चित करेगा। इसके अतिरिक्त पीएमएवाई-यू के लाभार्थियों को पीएम सूर्य घरः मुफ़्त बिजली योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा और पीएमएवाई-यू 2.0 के अंतर्गत चिन्हित विशेष फोकस समूह के लाभार्थियों की आवास आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

पीएमएवाई-यू के अंतर्गत 120 लाख घरों को मंजूरी दी गई है। इनमें से 94.11 लाख पक्के घर पहले ही बनकर तैयार हो चुके हैं और लाभार्थियों को वितरित किए जा चुके हैं। अंगीकार 2025 अभियान शेष बचे घरों के निर्माण को सुगम बनाएगा। 'सभी के लिए आवास' के लक्ष्य के अनुरूप इस योजना को नया रूप दिया गया और सितंबर 2024 में पीएमएवाई-यू 2.0 के रूप में शुरू किया गया। पीएमएवाई-यू 2.0 के अंतर्गत, शहरी भारत के एक करोड़ अतिरिक्त परिवारों को शहरों में पक्का घर बनाने या खरीदने के लिए सरकार द्वारा ?2.50 लाख तक की वित्तीय सहायता मिलेगी।

अंगीकार 2025 कार्यान्वयन की कमियों को दूर करके कल्याणकारी योजनाओं को लोगों के करीब लाने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह आवास योजना का लाभ प्रदान करने के लिए समाज के कमजोर वर्गों तक पहुँचेगा।

अंगीकार 2025 देश के 5,000 से अधिक शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में 4 सितंबर 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक दो महीने की अवधि के लिए चलेगा। देश भर में घर-घर जाकर और अन्य आउटरीच माध्यमों और सामुदायिक अभियान के माध्यम से व्यापक जागरूकता फैलाई जाएगी। इसमें जनभागीदारी आंदोलन में संभावित लाभार्थियों और अन्य संबंधित हितधारकों को शामिल करने हेतु शिविरों, ऋण मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित होगी।

अंगीकार 2025 के शुभारंभ के बाद श्री कुलदीप नारायण संयुक्त सचिव एवं प्रबंध निदेशक आवास वित्त पोषण ने अभियान के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु रणनीतियों और विधियों पर चर्चा करने के लिए राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

शिक्षा प्राप्ति के लिए लालायित हों ऐसा कार्य करें– पूर्व महामहिम बैस

देश और समाज के लिए कार्य करें तो देश की निश्चित ही होगी उन्नति

जांजगीर चांपा / त्रिपुरा, झारखंड तथा महाराष्ट्र के पूर्व महामहिम राज्यपाल रमेश बैस शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में सम्मिलित होने के लिए शिवरीनारायण पहुंचे। भगवान श्री शिवरीनारायण जी का दर्शन -पूजन करने के पश्चात सम्मान समारोह में सम्मिलित हुए। अवकाश प्राप्त शिक्षकों का सम्मान करने के पश्चात उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यपाल ने कहा कि- शिक्षा विद्यार्थी ग्रहण करता है शिक्षक उसे शिक्षा प्रदान करते हैं। गुरु की स्थिति के संदर्भ में यहां तक कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागु पाए।?। अर्थात *गुरु का महत्व इतना अधिक है कि कवि को यह सोंचना पड़ गया कि मैं पहले भगवान को प्रणाम करूं या शिक्षक को ? उन्होंने कहा कि शिक्षा की प्राप्ति के लिए छत्तीसगढ़ के छात्र-छात्रा महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा क्यों जाते हैं ? क्या हम इस क्षेत्र में ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं कर सकते कि अन्य राज्यों की छात्र-छात्रा छत्तीसगढ़ में शिक्षा की प्राप्ति के लिए लालायित हो! *शिक्षकों का कर्तव्य है कि विद्यार्थियों की ओर ध्यान दें नौकरी करना नहीं शिक्षा प्रदान करना उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य होनी चाहिए । उन्होंने कहा

कि जो शिक्षक 11बजे घर से निकलकर स्कूल जाते हैं और 2 बजे जिस बस से स्कूल गए थे उसी बस से वापस आ जाते हैं , ऐसे शिक्षकों से हम बच्चों की भलाई की अपेक्षा नहीं कर सकते । हम अपने लिए नहीं समाज और देश के लिए कार्य करें तो निश्चित ही देश की उन्नति होगी । कार्यक्रम के अध्यक्ष राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास महाराज ने कहा कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व महामहिम राज्यपाल बैस जी छोटे से गांव गोढ़ी से चलकर रायपुर आए, रायपुर में पार्षद, विधायक फिर सात बार सांसद और तीन बार राज्यपाल रहे। हमारा सौभाग्य है कि आज वे हमारे इस विद्यालय में शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए हैं। हमारे लिए यह भी सौभाग्य की बात है कि हम उन शिक्षकों का सम्मान करने जा रहे हैं जिन्होंने अपना जीवन विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित कर दिया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर विशेष रूप से राघवेंद्र प्रताप सिंह, बृजेश केसरवानी, आर के सिन्हा, निरंजन लाल अग्रवाल, हेमंत दुबे, सुखराम दास, सुबोध शुक्ला, योगेश शर्मा, गोविंद यादव, कमलेश सिंह, उदयराम केवट, ओम प्रकाश शर्मा, बसंत देवांगन, देवालाल सोनी, सोनाऊ राम गुप्ता, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, हर्ष दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में महाविद्यालय एवं विद्यालय परिवार के सभी छात्र-छात्रा प्राचार्य, प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण 2025 कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया

भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षक दिवस कार्यक्रम, गुरुजनों को किया नमन

जांजगीर-चांपा / भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण 2025 एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन ऑडिटोरियम जांजगीर में किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहन राशि, प्रशस्ति पत्र, शाल-श्रीफल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर विधायक श्री ब्यास कश्यप,पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल,पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े, पूर्व विधायक श्री चुन्नीलाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गगन जयपुरिया, जिला पंचायत सदस्य सुश्री आशा साव, श्री पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, श्री आनंद मिरी, श्री प्रदीप शर्मा सहित जिला शिक्षा अधिकारी, शिक्षक, अधिकारी-कर्मचारी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जांजगीर चांपा श्री ब्यास कश्यप ने कहा कि हमारी सनातन परंपरा में गुरु का स्थान सदा सर्वोच्च रहा है। चाहे सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर या कलियुग ङ्क हर युग में गुरु के मार्गदर्शन से ही समाज, शिक्षा, राजनीति और शासन की दिशा तय हुई है। आज शिक्षक दिवस पर हम उन महान शिक्षकों को नमन करते हैं और जिले के उन सम्मानित शिक्षकों का अभिनंदन करते हैं, जिन्होंने अपनी निष्ठा और परिश्रम से यह सम्मान प्राप्त किया है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल ने कहा कि भारत रत्न डॉ. राधाकृष्णन ने जीवनभर शिक्षा का प्रकाश फैलाने और समाज को सही दिशा देने का कार्य किया। हम सब आज जिस

उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का हुआ सम्मान*

भारत रत्न,पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर मनाए गए शिक्षक दिवस के अवसर पर ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण 2025 एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। ज्ञानदीप जिला स्तरीय सम्मान 3 शिक्षकों को प्रदान किया गया। शिक्षा दूत सम्मान 15 शिक्षकों को मिला। उत्कृष्ट प्रधान पाठक सम्मान 10 शिक्षकों को दिया गया, जिनमें प्राइमरी और मिडिल स्कूल के शिक्षक शामिल रहे। सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान शैक्षणिक सत्र 2024-25 में सेवानिवृत्त हुए 158 सहायक शिक्षक, शिक्षक एवं व्याख्याताओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम लाने वाले 13 प्राचार्य को विशेष सम्मान मिला। महत्वपूर्ण प्रश्नों की तैयारी में योगदान देने वाले प्रोफेशनल लर्निंग कमेटी के 69 शिक्षकों को मंच पर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। जीवन रक्षा सड़क सुरक्षा के तहत आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मान किया गया। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने सभी सम्मानित शिक्षकों को शाल-श्रीफल, प्रशस्ति पत्र और प्रोत्साहन राशि देकर उनके योगदान की सराहना की। इस दौरान जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएँ और विद्यार्थी मौजूद रहे ।

स्थान पर हैं, वह हमारे गुरुजनों की देन है। शिक्षक दीपक की तरह हैं, जो अंधकार से संघर्ष करते हुए अंत तक प्रकाश देते हैं।पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र की नींव हैं। गुरु का मार्गदर्शन ही हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आपका योगदान अमूल्य है और आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा देने वाला है।पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े ने शिक्षक दिवस की सभी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि शिक्षक समाज की सच्ची धरोहर हैं। एक शिक्षक ही बच्चों के भविष्य को आकार देकर राष्ट्र निर्माण का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि हमें जीवन जीने की सही दिशा और मूल्य भी सिखाते हैं।जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता मिरी ने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था कि शिक्षा ही राष्ट्र की सच्ची शक्ति है। आप सभी शिक्षक समाज और देश की नींव हैं। आपने जीवनभर अपने विद्यार्थियों को केवल पढ़ाया ही नहीं, बल्कि उन्हें योग्य, संस्कारी और जिम्मेदार नागरिक बनाने का कार्य भी किया है। हमारी प्रगति और समाज की उन्नति में आपका योगदान अमूल्य है। आज मुझे गर्व है कि हमारे जिले के दो शिक्षक राज्यपाल महोदय के समक्ष सम्मानित हो रहे हैं। यह पूरे जिले के लिए गर्व का क्षण है। हमारे जिले का हर शिक्षक इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करे और जिले का नाम पूरे प्रदेश और देश में रोशन करे।जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति सभापति श्री गगन जयपुरिया ने कहा कि आज हम डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षक दिवस मना रहे हैं। उनका मानना था कि यदि जीवन को किसी को समर्पित करना है, तो वह केवल शिक्षक को होना चाहिए। हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने भी यही कहा था कि वे सबसे पहले स्वयं को एक शिक्षक के रूप में याद किया जाना पसंद करेंगे। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण एवं शिक्षक सम्मान समारोह में सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन शिक्षा को समर्पित रहा और शिक्षक दिवस हमें शिक्षा की महत्ता का स्मरण कराता है। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया।

जिला पंचायत सभापति बिरम मंडावी ने प्रधानमंत्री आवास योजना हितग्राही को फीता काटकर गृह प्रवेश कराया

राजनांदगांव

खुज्जी विधानसभा के अंतर्गत आने वाले ग्राम टिपानगढ़, केशोखैरी, छुरिया डोंगरी में आज जिला पंचायत सभापति श्रीमती बिरम राम कुमार मंडावी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही को गृह प्रवेश कराया। श्रीमती बिरम मंडावी ने हितग्राही के मकान पर फीता काट कर प्रवेश कराया। श्रीमती मंडावी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने हर गरीब के सपनों को पूरा कर रही है और प्रत्येक गरीब परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित कर रही है इस योजना से गरीबों के सपनों को साकार हो रही है जिससे हितग्राहियों के चेहरे में खुशी साफ दिखाई देती है। श्रीमती बिरम मंडावी ने आगे कहा कि देश की यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरकार में आते ही डबल इंजन की सरकार बनते ही गरीबों का ख्याल करते हुए सर्वप्रथम प्राथमिकता से लोगों को आवास देने का काम किया और उन्हें मूर्त रूप दे रही है।

मेहर जन कल्याण समिति का टीचर्स-स्टूडेंट मीट 2025 संपन्न

संवाददाता

रायपुर, 01 सितंबर 2025/ मेहर समाज जन कल्याण समिति, रायपुर द्वारा संचालित निःशुल्क कोचिंग सेंटर में अध्यापन करने वाले शिक्षकों और सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों का सम्मान एवं मिलन समारोह रविवार को होटल गिरिराज, स्टेशन रोड, पाण्डेडीह चौक, रायपुर में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम दोपहर 1 से 5 बजे तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की जानकारी समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री कमल मिर्झा और सचिव श्री रविशंकर दीक्षित ने दी। उन्होंने बताया कि संस्था वर्ष 2020 से मेहर समाज के शैक्षिक और सामाजिक उत्थान के लिए कार्यरत है। पिछले पाँच वर्षों से संस्था द्वारा शासकीय सेवाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराई जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप अब तक सैकड़ों छात्र लाभान्वित हो चुके हैं और दर्जनों ने विभिन्न शासकीय सेवाओं में पद प्राप्त किया है। इस आयोजन का उद्देश्य सफल प्रतिभागियों के अनुभवों से अन्य युवाओं को प्रेरित करना था। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी और छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध अभिनेता श्री बलराज पाठक रहे। विशिष्ट अतिथियों में मेजर डॉ. एच. के. एस. गजेन्द्र, डॉ. सी. आर. रात्रे (तकनीकी अधिकारी, भूगोल विभाग, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर), राज्यपाल सम्मानित शिक्षक श्री शैलेंद्र नायक, तहसीलदार श्री चंद्रशेखर मंडई तथा श्री दिलीप चेलक शामिल थे।

कुमरदा स्कूल में शिक्षकों पर पुष्पवर्षा कर गुरुओं को किया सम्मानित

राजनांदगांव

। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुमरदा (छुरिया) में शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम शिक्षकों द्वारा भारत के दूसरे राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 137 वे जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया तत्पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा कतारबद्ध खड़े होकर पुष्प वर्षा करते हुए अपने गुरुजनों शिक्षकों ऊपर पुष्प बरसाते हुए उन्हें सम्मानित किया।सभी शिक्षकों को श्री फल पुष्प गुच्छ पेन देकर सम्मानित किया

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुमरदा के प्राचार्य मिलाप दास साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि ÷गुरू गोविंद दोउ खड़े, काके लागु पांय, बलिहारी गुरु आपकी गोविंद दियो बताय,÷ का उल्लेख करते हुए कहा कि संत कबीर दास द्वारा गुरुजनों की महिमा को व्यक्त कर उनकी महानता को प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा हमारे ग्रंथों में भी गुरु सर्वोच्च स्थान दिया गया है। माता-पिता के बाद गुरु ही एक

बालक का प्राथमिक मार्गदर्शक होता है जो उसे अनुशासन, ईमानदारी, कर्तव्य पालन का महत्व बताने के साथ-साथ समाज में रहन-सहन का सलीखा सिखाते है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य भर में जिले के 10वीं और 12वीं के उत्साह जनक परिणामों का संपूर्ण श्रेय शिक्षकों को जाता है। जिन्होंने अथक मेहनत एवं प्रयासों से छात्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर जिले का नाम रौशन किया। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि इस नवीन टेक्नोलॉजी के दौर में शिक्षक नई तकनीक अपनाकर आगामी पीढ़ी की शिक्षा को नयी दिशा देवें। बच्चों के आधारभूत व्यक्तित्व विकास में शिक्षकों का योगदान सर्वाधिक होता है अतः प्राथमिक, माध्यमिक और हाई स्कूल स्तर तक हर छात्र का भविष्य संवारना शिक्षकों का प्राथमिक दायित्व है ताकि वह देश का जिम्मेदार नागरिक बन सके।कु शैलशिखा साहू एवं कु हेमप्रभा ने कविता एवं भाषण के माध्यम से गुरु महिमा एवं गुरु के महत्व को प्रतपादित की श्रीमती रामकलिंद भूआर्य अखिल पटेल श्रीमती कुमन ठाकुर वीरेंद्र वैष्णव ने विद्यार्थियों को संबोधित कर शिक्षा में गुरूओं की महत्ता को बताये कार्यक्रम को सफल बनाने में कु संजना पटेल शाला नायिका, तामेश्वरी आभा जिया कावेरी एवं शाला के सभी विद्यार्थियों का योगदान रहा।

ईद मिलादुन्नबी अवसर पर मुसलमान भाइयों द्वारा निकाली गई जुलूस का रमेश पैगवार के नेतृत्व में किये स्वागत

जांजगीर चांपा /

नगर के मुसलमान भाइयों द्वारा पैगम्बर मोहम्मद साहब जी के 1500 वें साला जश्ने विलादत के पुरनूर मौके पर आयोजित पैदल शोभा यात्रा का 5 सितम्बर को कौमी एकता बनाए रखने के लिए हर वर्ष की भांति नगर के शारदा चौक जांजगीर में जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश पैगवार के संयोजकत्व में जांजगीर-चांपा के विधायक व्यास कश्यप के विशेष उपस्थिती मे भव्य स्वागत किया गया और एक दूसरे को बधाई देते हुए चाय बिस्कुट का स्वल्पाहार कराया गया । कार्यक्रम में विवेक सिसोदिया , देव कुमार पांडे ,अशोक सोनवानी , लच्छी लदेर,नरेश पैगवार, भूषण कारके ,विजय गढेवाल, जानकी मास्टर,कमलेश ताम्रकार लव डोंगरे, राहुल कारके , देवा यादव , लक्की सूर्यवंशी , विक्की यादव सहित नागरिक गण , मुस्लिम समाज से प्रमुख रूप से मौलाना शराफ्त अली, रफीक सिद्धकी , पप्पू खान, डॉ अतीक सिद्धकी, अब्दुल कलाम, तय्यूब मोहम्मद, गुलाम मंसूरी, मोहसिन खान, बाबा खान, पार्षद अरमान खान,स्लिप कुरैशी, सईद खान, अतिक कुरैशी सहित भारी संख्या में मुस्लिम जमात के लोग एवं नागरिकगण उपस्थित रहे ।

खास खबर

मंत्री के पोस्टर फाड़ने पर हंगामा

कोरबा एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के स्वागत पोस्टरों को लेकर कोरबा में विवाद हो गया। एक युवक ने सीएसईबी चैक पर लगे मंत्री के पोस्टर को डंडे से फाड़ दिया।

इसकी सूचना मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने युवक को घेर लिया। कारण पूछने पर वह कुतर्क करने लगा। इस पर कार्यकर्ताओं ने उसकी पिटाई कर दी। युवक एक नजदीकी धार्मिक परिसर में भाग गया। भाजपा कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए। धार्मिक परिसर में मौजूद लोगों ने भाजपा कार्यकर्ताओं की पिटाई कर दी।

विवाद बढ़ने पर भाजपा के कई पार्षद और स्थानीय नेता सीएसईबी चैक पर पहुंच गए। नगर पुलिस अधीक्षक समेत अन्य अधिकारी मौके पर आए। पुलिस ने किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। इस मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर ने बताया कि पोस्टर फाड़ने वाले अज्ञात युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई जारी है।

मवेशी का बचाने के चक्कर में पेड़ से टकराई कार,महिला की मौत तीन घायल

बिलासपुर, बिलासपुर जिले के सकरी थानाक्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई,वहीं महिला के पति,बहू और एक बच्ची घायल हो गए है। पति की हालात काफी गंभीर बताई जा रही है। बताया जाता है कि हादसा सड़क पर आये मवेशी को बचाने के चक्कर में हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार एक तेज रफ्तार कार भरनी की ओर जा रही थी। इसी बीच अचानक एक गाय सड़क पर आ गया। गाय को बचाने की कोशिश में चालक ने कार पर से नियंत्रण खो दिया और कार सड़क किनोर पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत घायलों को कार से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया किंतु कार सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं मृतिका के पति को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हालांकि मृतिका की बहू और मासूम बच्ची की हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत ब्लॉक मास्टर ट्रेनर्स का तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण 4 तक

बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने किया शुभारंभ बिलासपुर आदिवासी समुदायों के शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक अवसर, सामाजिक न्याय एवं अन्य क्षेत्रों में कल्याण एवं विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान चलाया जा रहा है। अभियान अंतर्गत अनुसूचित जनजातियों हेतु संचालित योजनाओं, सेवाओं तथा प्रधानमंत्री जनमन योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में शामिल गतिविधियों का प्रचार प्रसार करते हुए योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला के मुख्य आतिथ्य में ब्लॉक मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ।

पूजा पण्डालों में लगेंगे रजत जयंती वर्ष के लोगो व रजत जयंती थीम पर होंगे विविध कार्यक्रम

रजत जयंती वर्ष 2025 :

० आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने पूजा उत्सव समितियों की बैठक लेकर मनाए जा रहे रजत जयंती वर्ष 2025 समारोह में उनकी सहभागिता का किया आग्रह

कोरबा छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना रजत जयंती वर्ष 2025 के अनुक्रम में मनाए जा रहे रजत जयंती समारोह के तहत शहर में स्थापित विभिन्न पूजा पण्डालों में रजत जयंती वर्ष के लोगो लगाए जाएंगे एवं रजत जयंती समारोह की थीम पर रंगोली प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी व छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आज आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने शहर की पूजा उत्सव समितियों की बैठक लेकर शासन से प्राप्त निर्देशों के तहत रजत जयंती वर्ष समारोह में उनकी सहभागिता तथा उक्तानुसार आयोजन किए जाने का आग्रह किया।

यहाँ उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, इस मौके पर सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में रजत जयंती वर्ष 2025 मनाया जा रहा है, जिसके तहत जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों स्वयंसेवी संगठनों, नागरिकों तथा अन्य संगठनों के सहयोग से शासन प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुरूप विविध कार्यक्रम विभिन्न चरणों में पूरे वर्ष आयोजित होंगे। इसी कड़ी में पूजा समितियों द्वारा स्थापित होने वाले पण्डालों एवं उनके द्वारा किए जाने वाले आयोजनों के दौरान रजत जयंती की थीम पर विविध कार्यक्रम हों, इसके मद्देनजर आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने आज नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में शहर की पूजा उत्सव समितियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली तथा इस संबंध में शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों की विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होने रजत जयंती वर्ष 2025 के इस उत्सव में उनकी महती सहभागिता का आग्रह किया। आयुक्त श्री पाण्डेय ने समितियों से कहा कि पूजा पण्डालों में रजत जयंती थीम पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाए तथा शासन द्वारा निर्धारित रजत जयंती वर्ष का लोगो पण्डाल में लगाया जाए, निगम द्वारा लोगो का प्रारूप उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ की स्थापना के 25 वर्षो की विकास यात्रा को दर्शाते हुए नुक्कड़ नाटक व प्रदर्शनी आदि के आयोजन किए जाएं, साथ ही पण्डालों में रजत जयंती थीम पर छत्तीसगढ़ की स्थानीय कला एवं संस्कृति के प्रचार प्रसार हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए।

शासन द्वारा निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप स्थापित कराएं पूजा पण्डाल – आयुक्त श्री पाण्डेय ने बैठक के दौरान पण्डालों, अस्थाई संरचनाओं, धरना, जुलूस, सभा, रैली आदि के आयोजन के संबंध में शासन द्वारा निर्धारित मानदण्डों की जानकारी देते हुए निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप पण्डालों की स्थापना का आग्रह समितियों से किया तथा शासन के दिशा निर्देशों की प्रति उपलबध कराई। इसके साथ ही उन्होने पण्डालों की स्थापना के दौरान पार्किंग व्यवस्था का ध्यान रखने, समिति के स्वयं के वालेनटियर नियुक्त करने, परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था रखने आदि के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश समितियों को दिए। उन्होने कहा कि पण्डालों का स्ट्रक्चर मानदण्डों के अनुरूप व प्रमाणित हो, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहें। उन्होने आग्रह करते हुए कहा कि वहाँ पर प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न किया जाए, आवागमन व यातायात व्यवस्था में सहयोग दिया जाए तथा परिसर की साफ-सफाई व पर्याप्त डस्टबिन रखें जाए।

विसर्जन स्थलों की दी जानकारी – आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने पूजा उत्सव समितियों को नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत 06 स्थानों पर निर्धारित किए गए प्रतिमा विसर्जन स्थलों की जानकारी देते हुए निर्धारित विसर्जन स्थलों पर ही प्रतिमाओं का विसर्जन करने का आग्रह किया तथा कहा कि इन विसर्जन स्थलों पर जिला पुलिस व निगम प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं कराई गई हैं, अतः इन्हीं स्थलों पर ही अनिवार्य रूप से विसर्जन करें। यहाँ उल्लेखनीय है कि कोरबा जोनअंतर्गत वार्ड क्रमांक 5 एस एल आर एम सेंटर के सामने स्थित रेट घाट , परिवहन नगर जोनान्तर्गत पंप हाउस नदी के किनारे , कोसाबाड़ी एवं रविशंकर नगर जोनांतर्गत डेगूर नाला छठ घाट , बालको जोन अंतर्गत बेलगरी नाला छठ घाट राम मंदिर के पास ,दर्री जोन अंतर्गत प्रगति नगर सर्वेश्वर मंदिर के पास तथा सर्वमंगला नगर जोन अंतर्गत सर्वमंगला मंदिर के पास नदी घाट पर विसर्जन स्थल रहेंगे।

खराब सड़कों पर हाईकोर्ट सख्त, कहा :'क्या सड़क हम बनाएंगे?'

बिलासपुर – छत्तीसगढ़ में खराब सड़कों की समस्या पर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए गुरुवार को कड़ी नाराज़गी जताई। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच में हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि, ÷सिर्फ कागजों में रिपोर्ट देकर जिम्मेदारी से नहीं बचा जा सकता।÷

शासन का जवाब

सुनवाई में शासन की ओर से बताया गया कि रतनपुर-सेंदरी रोड का काम लगभग पूरा हो चुका है। रायपुर रोड का 70त्न निर्माण पूरा हो गया है और इसे अगले 15 दिनों में समाप्त कर लिया जाएगा। वहीं, एनएचएआई ने भी जल्द काम पूरा करने का आश्वासन दिया।

कोर्ट की सख्त टिप्पणी

बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे (ह्न-130/90) की बदहाली पर कोर्ट ने कहा कि क्या सिर्फ पैचिंग से सड़क दुरुस्त हो जाएगी? इसकी गारंटी कौन देगा कि दरारें दोबारा नहीं पड़ेंगी? कोर्ट ने नाराजगी जताई कि, अधिकारी केवल ÷स्टडी÷ कर रहे हैं और कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे।

अदालत ने कटाक्ष किया ङ्क ÷क्या स्टडी पूरी करने में दो-तीन जन्म लगेंगे? यह मॉडर्न इंडिया है, अब भी कॉपी-किताब और पेन चला रहे हैं।÷

अगली सुनवाई 23 सितंबर को

राज्य सरकार ने कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की। इस पर हाईकोर्ट ने दो सप्ताह के भीतर फोटो सहित रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 23 सितंबर को होगी।

एनएचएआई की सफाई

एनएचएआई की ओर से जानकारी दी गई कि तुर्काडीह, सेंदरी, रानीगांव, मलनाडीह और बेलतरा में पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए फुट ओवरब्रिज बनाए जा रहे हैं। लागत को 17.95 करोड़ से घटाकर 11.38 करोड़ कर दिया गया है। संयुक्त निरीक्षण हो चुका है और टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

हालांकि, कोर्ट ने सवाल किया कि बिलासपुर की पेंड्रीडीह बाईपास से नेहरू चौक तक सड़क निर्माण और रायपुर एयरपोर्ट रोड का काम अप्रैल में स्वीकृत होने के बावजूद अब तक अधूरा क्यों है।

खरसिया में खाद संकट को लेकर कांग्रेस का विरोध, सीएम से मिलने पहुंचे नेता हिरासत में

खरसिया । खरसिया में डीएपी और यूरिया खाद की भारी कमी ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। इस गंभीर मुद्दे को सरकार के सामने रखने के लिए शुक्रवार को कांग्रेस, महिला कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई और ग्रामीण-शहरी कांग्रेस के नेताओं ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से शांतिपूर्वक मुलाकात करने की योजना बनाई थी।

पुलिस ने रोका, भड़का विरोध

जानकारी के अनुसार, कांग्रेस के कुछ नेता ज्ञापन लेकर मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे थे। लेकिन वहां मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अमले ने उन्हें मिलने से रोक दिया। इसके बाद गुस्साए नेताओं ने मौके पर ही विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने कई नेताओं को हिरासत में लेकर मदनपुर थाने भेज दिया।

कांग्रेस का आरोप लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल किसानों की समस्याओं को सरकार तक पहुँचाना था। महिला कांग्रेस की नेत्री नैना गबेल ने कहा ङ्क ÷हमारा उद्देश्य केवल किसानों की समस्याओं को शांतिपूर्वक सरकार तक पहुंचाना था। हमें मुख्यमंत्री से मिलने नहीं दिया गया। पुलिस की यह कार्रवाई लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है।÷ कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन किसानों की आवाज दबाने का प्रयास कर रहा है।

खाद संकट पर कांग्रेस का हल्ला बोल, उमेश पटेल के नेतृत्व में किसानों ने घेरा तहसील

सिम्स में हुआ मरीज का सफल प्रत्यारोपण

बिलासपुर

। सिम्स अस्पताल के अस्थी रोग विभाग में निरन्तर घुटना और कूल्हे के जोड़ों का प्रत्यारोपण हो रहा है जो कि गरीब मरीज़ों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इस तरह 20 जुलाई 2025 को 40 वर्षीय पुरुष सोन लोहरसी, बिलासपुर निवासी, अस्थी रोग विभाग के ओपीडी में दाएं कूल्हे में दर्द के कारण चलने, बैठने और नियमित कार्य करने में असमर्थ होने की वजह से परामर्श लेने पहुंचा था।

डॉ तरूण सिंह ठाकुर द्वारा मरीज की खून जांच की गई और एक्स-रे कराया गया। एक्स-रे में पाया गया कि मरीज के दायां कूल्हा पूरी तरह से खराब हो चुका था, जिसके लिए डॉ तरुण

सिंह ठाकुर द्वारा कूल्हा प्रत्यारोपण की सलाह दी गई। मरीज के फिटनेस के बाद मरीज के दाएं कुल्हे का 2 सितंबर को ऑपरेशन किया गया। मरीज का ऑपरेशन चुनौतीपूर्ण था, लेकिन ऑपरेशन के पश्चात मरीज पूरी तरह स्वस्थ है, दर्द मुक्त है और चलने फिरने में सक्षम है। ऑपरेशन टीम में प्रमुख डॉ तरूण सिंह ठाकुर (सहायक प्राध्यापक), डॉ प्रमोद जायसवाल, डॉ रवि महोबिया, डॉ सोमेश शुक्ला और पी जी रेसिडेंट शामिल थे। ऑपरेशन डॉ ए आए बेन (विभागाध्यक्ष अस्थिरोग) के मार्गदर्शन में हुआ। एनेस्थिसिया टीम में डॉ मधुमिता मूर्ति (विभागाध्यक्ष), डॉ मिल्टन, डॉ श्वेता, डॉ भावना और टीम शामिल थे। नर्सिंग में योगेश्वरी और टीम शामिल थे। एनेस्थिसिया डॉक्टरों का ऑपरेशन के पश्चात दर्द निवारण में विशेष योगदान रहा है। यह ऑपरेशन आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क किया गया। इंपानेट उपलब्ध करने में डॉ आर मूर्ति (अधिष्ठाता) और डॉ लखन सिंह (चिकित्सा अधीक्षक) का विशेष योगदान रहा। यह ऑपरेशन डॉ आर मूर्ति (अधिष्ठाता), डॉ लखन सिंह (चिकित्सा अधीक्षक) विगत दो वषो में अब तक 35 कूल्हा प्रत्यारोपण एवं 25 घुटना प्रत्यारोपण आयुष्मान द्वारा निःशुल्क किया जा चुका है।

कटघोरा अस्पताल में डॉक्टर नदारद, नर्स ने संभाली जिम्मेदारी

कोरबा-कटघोरा ।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटघोरा में रविवार देर रात अव्यवस्था का बड़ा मामला सामने आया। मौलिनभांठा निवासी 55 वर्षीय अनिता श्रीवास को जहरीले सांप ने काट लिया था। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टर न मिलने से स्थिति बिगड़ गई। करीब एक घंटे तक परिजन और स्थानीय लोग डॉक्टर का इंतजार करते रहे।

इस बीच महिला की हालत नाजुक होती गई। मजबूरी में

नर्सिंग स्टाफ ने इलाज शुरू किया, लेकिन हालत में सुधार न होने पर परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। सूचना के बाद भी बीएमओ मौके पर नहीं पहुंचे। अंततः महिला को गंभीर स्थिति में जिला अस्पताल रेफर करना पड़ा।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी बी.एन. केसरी ने मामले पर सफाई देते हुए कहा कि एक डॉक्टर छुट्टी पर था, दूसरा शिविर में गया था और तीसरा डॉक्टर ओपीडी में व्यस्त था। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मौके पर कटघोरा थाना पुलिस पहुंची और परिजनों को समझाने के बाद मामला शांत हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय पर डॉक्टर की मौजूदगी रहती तो मरीज की स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। इस घटना ने स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

टी.एल.प्रकरणों, जनशिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण समयसीमा में सुनिश्चित करें: आयुक्त

कोरबा

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने निगम के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा है कि टी.एल.प्रकरणों तथा जनशिकायतों से जुड़े मामलों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण निर्धारित समयसीमा के अंदर किया जाए तथा जनसेवाओं व नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यो का संपादन सर्व-प्राथमिकता के साथ हो, यह सुनिश्चित करें। उन्होने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रकरणों के निराकरण के प्रति उदासीनता एवं लेट-लतीफी पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदारी तय की जा कर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में निगम के अधिकारियों की बैठक लेकर टी.एल.प्रकरणों, मुख्यमंत्री जनचैपाल, कलेक्टर जन चैपाल, पी.एम.ओ. से प्राप्त शिकायतों, पृष्ठांकित महत्वपूर्ण पत्रों, पी.जी.एन. प्रकरणों, जनशिकायतों आदि के निराकरण व उन पर की गई कार्यवाही तथा लंबित प्रकरणों की बिन्दुवार, विभागवार समीक्षा की। आयुक्त श्री पाण्डेय ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कलेक्टर टी.एल., मुख्यमंत्री जनचैपाल, निगम की टी.एल., पृष्ठांकित महत्वपूर्ण पत्रों, पी.जी.एम.प्रकरणों एवं अन्य सभी जनशिकायतों से संबंधित प्रकरणों का निर्धारित समयसीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराया जाना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें साथ ही यह भी अंतिम रूप से सुनिश्चित करें कि जनसेवाओं व नागरिक सुविधाओं से जुड़े निगम के कार्य सर्व-प्राथमिकता के साथ संपादित कराए जाएं ताकि आमजन को मूलभूत जरूरतों की पूर्ति सुगमता के साथ होती रहे, उन्हें अनावश्यक परेशानी न हों। बैठक में आयुक्त श्री पाण्डेय ने निदान, राजस्व वसूली, पेयजल व्यवस्था, स्ट्रीट लाईट व्यवस्था सहित अन्य विभिन्न विषयों व निगम से संबंधित सेवाओं व सुविधाओं पर किए जा रहे कार्यो की बिन्दुवार समीक्षा करते हुए कार्यो में अपेक्षित कसावट लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

विकास व निर्माण कार्यो की समीक्षा– बैठक के दौरान आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने निगम द्वारा विभिन्न मदों के अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यो की कार्यप्रगति की समीक्षा की। उन्होने जिला खनिज न्यास मद, अधोसंरचना मद, निगम मद, सांसद मद, प्रभारी मंत्री मद, सी.एस.आर.मद, विधायक, महापौर, पार्षद व एल्डरमेन मद, वित्त आयोग मद सहित अन्य विभिन्न मदों के तहत किए जाने वाले विकास व निर्माण कार्यो की कार्यप्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यो में आवश्यक गति लाने के निर्देश दिए। उन्होने अभियंताओं से कहा कि विकास व निर्माण कार्यो के संपादन के दौरान कार्य की गुणवत्ता व कार्य में प्रयुक्त की जा रही सामग्री की क्वालिटी पर विशेष फोकस करें तथा यह सुनिश्चित करें कि कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से हों। उन्होने कहा कि कार्यो की गुणवत्ता व वर्क क्वालिटी के साथ किसी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। आयुक्त श्री पाण्डेय ने अपने नियमित भ्रमण के दौरान विभिन्न निर्माण व विकास कार्यो, जनसमस्याओं के निराकरण, सड़क, पानी, बिजली से जुड़ी शिकायतों व समस्याओ के समाधान आदि के संबंध में अधिकारियों को दिए गए दिशा निर्देशों के परिपालन की कार्यप्रगति की भी बिन्दुवार समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अतिक्रमण पर हो प्रभावी कार्यवाही- आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने निगम के अतिक्रमण दस्ता प्रभारी व जोन कमिश्नरों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि निगम व शासकीय जमीनों, सड़क के किनारे फुटपाथों, चैक-चैराहों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर किए जाने वाले किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को दूर करने के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराएं तथा प्रशासन व पुलिस के सहयोग से अतिक्रमण हटाते हुए यह सुनिश्चित करें कि अतिक्रमण को किसी भी सूरत में बढ़ावा न मिले। बैठक के दौरान निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा, अधीक्षण अभियंता सुरेश बरूआ, उपायुक्त द्वय बी.पी.त्रिवेदी व पवन वर्मा, जोन कमिश्नर एन.के.नाथ, अखिलेश शुक्ला, तपन तिवारी, विनोद शांडिल्य, प्रकाश चन्द्रा, भूषण उरांव, राकेश मसीह, सुनील टांडे, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, राजस्व अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, जनसंपर्क अधिकारी रावेन्द्र सिंह, सहायक राजस्व अधिकारी सुनील गुप्ता, निगम सचिव रामेश्वर सिंह कंवर, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा, पीयूष राजपूत, यशवंत जोगी, गोयल सिंह विमल, अश्वनी दास, सोमनाथ डेहरे, गुलिस्ता साहू, किरण साहू, अंजुला अनंत, संजय ठाकुर, शैलेन्द्र नामदेव, सतानंद द्विवेदी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से ट्रिपल आई टी नया रायपुर के निदेशक प्रोफेसर ओमप्रकाश व्यास ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से यहाँ उनके निवास कार्यालय में ट्रिपल आई टी नया रायपुर के निदेशक प्रोफेसर ओमप्रकाश व्यास ने सौजन्य मुलाकात की।मुख्यमंत्री श्री साय ने 'आदि वाणी' परियोजना के अंतर्गत गोंडी भाषा अनुवादक मोबाइल ऐप के सफल लॉन्च पर प्रोफेसर व्यास एवं उनकी टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस ऐप के माध्यम से गोंडी बोलने वाले जनजातीय भाई-बहनों की आवाज़ राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचेगी। यह तकनीक उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने, शिक्षा तथा शासन-प्रशासन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम बनेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ट्रिपल आई टी नया रायपुर भविष्य में भी इसी प्रकार के नवाचार और समाजोन्मुखी अनुसंधान से प्रदेश एवं देश का गौरव बढ़ाएगा।प्रोफेसर व्यास ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस परियोजना में गोंडी भाषा के लिए टेक्स्ट-टू-स्पीच एवं अनुवाद प्रणाली विकसित की गई है। इसके माध्यम से गोंडी से हिंदी और अंग्रेज़ी तथा इसके विपरीत अनुवाद संभव होगा। यह सुविधा अब मोबाइल ऐप के रूप में भी उपलब्ध है, जिससे आम नागरिक इसे आसानी से उपयोग कर सकेंगे।उन्होंने अवगत कराया कि इस परियोजना में ट्रिपल आई टी नया रायपुर के साथ-साथ आईआईटी दिल्ली, आईआईटी हैदराबाद और बिट्स पिलानी जैसे देश के प्रतिष्ठित संस्थान भी सहभागी हैं। 'आदि वाणी' परियोजना को भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा प्रायोजित किया गया है।

बेबीलॉन टावर में अग्नि दुर्घटना : मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर त्वरित रेस्क्यू ऑपरेशन

कलेक्टर ने कहा कि ऐसे जाबांज युवा समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत

रायपुर । राजधानी के बेबीलॉन टावर में बीते रात अचानक आग लगने की घटना पर जिला प्रशासन-पुलिस और विशेष कर कुछ साहसी युवाओं के प्रयासों और सूझबूझ से बिना जनहानि के काबू पा लिया गया। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के हीरोस् को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने आज सम्मानित किया।गौरतलब है कि बेबीलॉन टावर में आग लगने की घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला प्रशासन को त्वरित रूप से राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को यह विशेष रूप से हिदायत दी थी कि इस अग्नि दुर्घटना में जनहानि न होने पाए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। बेबीलॉन टावर में आग लगने की सूचना मिलते ही कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उम्मेद सिंह, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के साथ-साथ अग्निशमन का अमला तेजी से मौके पर पहुंचा और बचाव कार्य जुट गया। बेबीलॉन टावर में फसे लोगों को समय रहते ही सुरक्षित निकाल लिया गया है। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के चलते इस दुर्घटना में जनहानि नहीं हुई। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान स्वयं मुख्यमंत्री और सीएम सचिवालय के अधिकारी पल-पल की जानकारी लेते रहे। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के हीरो को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने शॉल और किताब देकर सम्मानित किया।

शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल होता है: राज्यपाल श्री रमेन डेका

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज शिक्षक दिवस के अवसर पर राजभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में आयोजित गरिमामय समारोह में वर्ष 2024 के उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य स्तरीय सम्मान प्रदान किया। समारोह में राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने वर्ष 2024 के लिए सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रदेश के 64 शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने राज्य शिक्षक सम्मान वर्ष 2025 के लिए चयनित 64 शिक्षकों के नामों की भी घोषणा की।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री रमेन डेका ने सर्वप्रथम भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति, महान दार्शानिक और प्रख्यात शिक्षाविद् डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को उनकी जयंती पर नमन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा मानव के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल होता है। बेहतर शिक्षक एक जिम्मेदार नागरिक तैयार करने में महती भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन के प्रेरणास्त्रोत होते है। उनके विकास में शिक्षकों की बहुत बड़ी भूमिका है। आज का जीवन सरल नहीं है। गिरकर खड़े होना और जीवन की चुनौतियों का सामना कैसे किया जाए यह विद्यार्थियों को सीखाना चाहिए। शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल होता हैः राज्यपाल श्री रमेन डेकाश्री डेका ने कहा कि शिक्षक ऐसा पढ़ाएं जिससे बच्चे स्कूलों की ओर आकर्षित हो। स्कूल भवन नहीं बल्कि उसके अंदर क्या पढ़ा रहे है ये महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्राचीन भारत की गुरूकुल परंपरा को श्रेष्ठ बताया।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक गेम चेन्जर है। इस नीति के अनुरूप बच्चों को शिक्षा मिले यह शिक्षकों की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है, जिसका मूल उद्देश्य यही है कि शिक्षा अधिक व्यवहारिक, कौशल आधारित और सर्वांगीण बनाया जाए। इस नीति में विशेष बल मातृभाषा में शिक्षा पर दिया गया है। बालक को उसकी मातृभाषा में शिक्षा देने से वह अधिक रूचि तथा सहजता के साथ शिक्षा ग्रहण करता है। श्री डेका ने कहा कि नवाचारी शिक्षा अपने आप में एक मिसाल है। यह गौरव का विषय है कि हमारे शिक्षक साथी अध्यापन के लिए नए-नए उपयोगी शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग कर रहें हैं, जिससे बच्चों को सिखाना, रुचिकर एवं सहज हो गया है। बदलते परिवेश के अनुसार बच्चों को शिक्षा दिया जाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस हेतु सार्थक पहल एवं प्रयास की आवश्यकता है। पाठ्यक्रमों में भी उचित पाठों का समावेश किया जाना समय की मांग है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षक ही सच्चे राष्ट्र निर्माता होते हैं। वे देश को ऐसे राष्ट्रभक्त नागरिक देते हैं, जो आगे चलकर समाज और राष्ट्र की उन्नति में योगदान देते हैं।

कैप्टन शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि देश के युवाओं के लिए प्रेरणादायीः सीएम साय

अंतरिक्ष यात्री श्री शुभांशु शुक्ला ने बच्चों के साथ साझा किए अपने अंतरिक्ष यात्रा के अनुभव

जिला प्रशासन रायपुर और इग्नाइटिंग ड्रीम्स ऑफयंग माइंड फाउंडेशन तथा विज्ञान भारती के मध्य हुए दो महत्वपूर्ण समझौते

अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारतीय मेधा की बढ़ेगी दखल

रायपुर। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि देश के युवाओं के लिए प्रेरणादायीः मुख्यमंत्री श्री साय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज शिक्षक दिवस के विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री निवास परिसर से स्कूली बच्चों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति जागरूकता के लिए मिशन अंतरिक्ष और प्रोजेक्ट जय विज्ञान अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान जिला प्रशासन रायपुर और इग्नाइटिंग ड्रीम्स ऑफ यंग माइंड फाउंडेशन तथा जिला प्रशासन रायपुर और विज्ञान भारती के मध्य दो महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिनसे बच्चों को अंतरिक्ष से जुड़े विषयों की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों की ओर से ग्रुप कैप्टन श्री शुभांशु शुक्ला को उनकी सफल अंतरिक्ष यात्रा के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनका अभिनंदन किया। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को नमन करते हुए सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला प्रशासन की इस विशेष पहल की सराहना करते हुए कहा कि इन समझौतों का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना और विज्ञान के प्रति जिज्ञासा एवं उत्साह को बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक सोच है। विज्ञान प्रश्न पूछने और तर्क करने की शक्ति और समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता प्रदान करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रोजेक्ट जय विज्ञान के अंतर्गत आयोजित कार्यशालाएं, विज्ञान प्रदर्शनियाँ, प्रतियोगिताएँ और नवाचारी परियोजनाएँ विद्यार्थियों को नई चीजें सीखने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर देंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से छत्तीसगढ़ के बच्चे केवल ज्ञान के उपभोक्ता नहीं, बल्कि नए विचारों और खोजों के सृजनकर्ता बनेंगे। यही आत्मनिर्भर भारत और विज्ञान-आधारित समाज की सच्ची नींव है।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से आह्वान किया कि वे श्री शुभांशु शुक्ला से प्रेरणा लेकर अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ें और अपना तथा देश का नाम ऊँचा करें।

जीएसटी सुधार आमजन और व्यापार जगत के लिए लाभकारी – वित्तमंत्री ओपी चौधरी

रायपुर। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आज नई दिल्ली में जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक आयोजित हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में छत्तीसगढ़ सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने सक्रिय रूप से भागीदारी की। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि बैठक में जीएसटी प्रणाली में सुधार से जुड़े अनेक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सुधार आम नागरिकों को सहूलियत देंगे, व्यापार जगत को गति प्रदान करेंगे और देश की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार करेंगे। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि जीएसटी सुधार केवल कर संरचना का सरलीकरण नहीं है, बल्कि यह इज ऑफ डूइंग बिज़नेस को मजबूत करने और राज्यों तथा देश की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने का भी माध्यम है। यह उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी में व्यापक सुधारों का आह्वान किया था। आज आयोजित यह बैठक उस संकल्प को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और ठोस कदम साबित हुई है।

बैठक में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्रीगण, राजस्व विभाग के सचिव, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (ष्ट्ढ्ढष्ट) के अध्यक्ष व सदस्य तथा वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बाढ़ प्रभावित मांदर में सहकारी बैंक की खास पहल, पासबुक वितरण और माइक्रो एटीएम से ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय पिछले दिनों बस्तर संभाग के बाढ़ प्रभावित जिलों का हवाई एवं जमीनी निरीक्षण करते हुए बाढ़ प्रभावित परिवारों को प्रशासन की ओर से किए जा रहे राहत एवं पुर्नवास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए बाढ़ प्रभावित परिवारों को सभी स्तरों पर संवेदनशीलता एवं तत्परता से प्रशासनिक मदद दिए जाने के निर्देश दिए गए थे। मुख्यमंत्री के निर्देश के अनुपालन में अतिवृष्टि से प्रभावित गाँव मांदर के ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। कलेक्टर बस्तर एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक जगदलपुर के प्राधिकृत अधिकारी श्री हरिस एस के द्वारा शाखा लोहंडीगुड़ा और आदिम जाति सेवा सहकारी समिति अलनार ने बाढ़ पीड़ितों को उनके जरूरी दस्तावेज और पैसों तक पहुंचने में मदद की है।

बाढ़ पीड़ितों को मिली बड़ी मदद : बाढ़ के कारण मांदर गाँव के कई घरों का घरेलू सामान बह गया था, जिसमें ग्रामीणों के महत्वपूर्ण दस्तावेज भी शामिल थे। इन दस्तावेजों में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड और बैंक पासबुक जैसी चीजें शामिल थीं, जिनके बिना सरकारी योजनाओं और बैंक सेवाओं का लाभ उठाना मुश्किल हो रहा था।

पासबुक और माइक्रो एटीएम से हुआ भुगतान : ग्रामीणों की इस समस्या को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक जगदलपुर के प्राधिकृत अधिकारी के द्वारा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक लोहंडीगुड़ा ने गाँव में ही नवीन बैंक पासबुक का वितरण किया गया। इसके साथ ही आदिम जाति सेवा सहकारी समिति अलनार ने माइक्रो एटीएम मशीन की व्यवस्था की है। इसके माध्यम से जिन किसानों के पास एटीएम कार्ड था, उन्हें तत्काल उनकी जरूरत के अनुसार नकदी का भुगतान किया जा रहा है। इस पहल से सबसे अधिक फायदा उन ग्रामीण परिवारों को हुआ है, जिनकी खेती-किसानी के लिए पैसे निकालने की सख्त जरूरत थी। नई पासबुक मिलने से वे अब अपने बैंक खाते से आसानी से रकम निकाल सकते हैं, जिससे उन्हें अपनी फसल और खेती से जुड़े कार्यों को फिर से शुरू करने में मदद मिलेगी। इस मुश्किल घड़ी में बैंक और समिति द्वारा किए गए इस प्रयास ने ग्रामीणों को एक बड़ा सहारा दिया है, जिससे वे अपनी जिंदगी को पटरी पर लाने की कोशिश कर सकें।

राजधानी में पकड़ाया फर्जी क्राईम ब्रांच अधिकारी

खुद को फर्जी क्राईम ब्रांच अधिकारी बताकर होटल कारोबारी से कर रहा था वसूली

रायपुर । राजधानी रायपुर पुलिस ने खुद को फर्जी क्राईम ब्रांच अधिकारी बताकर होटल कारोबारी से वूसली करने का प्रयास करने वाले एक फर्जी अफसर को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि राजधानी में ड्रग्स रैकेट के अंतर्राज्यीय गिरोह के पकड़े जाने के बाद से ड्रग्स और उससे जुड़े मामलों की जांच तेज हो गई है। इस बीच कुछ ठग सक्रिय हो गए हैं, जो खुद को पुलिस अधिकारी बताकर वसूली करने में जुटे हैं। ऐसे ही एक मामले पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया जो खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर एक होटल कारोबारी से पैसे ऐंठने की कोशिश कर रहा था। आरोपी का नाम आशीष घोष उर्फ आशीष शर्मा बताया जा रहा है। उसने होटल कारोबारी को धमकाते हुए कहा कि वह उसके छोटे भाई के मामले को निपटा देगा, लेकिन इसके बदले 5 लाख रुपए देने होंगे। संदेह होने के बाद कारोबारी ने पुलिस को सूचना दी। और सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को धर दबोचा। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) का फर्जी पहचान पत्र, एक कार जिसमें पुलिस की सायरन लगी थी और गंज थाना की फर्जी सरकारी सील भी बरामद की गई। इतना ही नहीं, वह थाना प्रभारी की तरह खुद से दस्तखत भी करता था। बताया जा रहा है कि आशीष पर कुल 30 लाख रुपए तक की वसूली करने के प्रयास का आरोप है। वह न केवल आम लोगों को बल्कि एएसआई और महिला आरक्षकों को भी ब्लैकमेल करने की कोशिश करता था। फिलहाल क्राइम ब्रांच की टीम उससे पूछताछ कर रही है।

नई मैडम...नया सर.. युक्ति युक्तकरण से स्कूलों में पढ़ाई हुई बेहतर

पहली से लेकर बारहवीं तक के रिक्त पदों में शिक्षको की पदस्थापना से बदला माहौल

दूरस्थ गाँव में शिक्षकों को भी मिलने लगा है सम्मान के साथ पहचान

कोरबा। वक्त का पहिया बहुत तेजी से आगे बढ़ गया है...गाँव का वह तालाब, तालाब के किनारे का पेड़, पेड़ पर घोंसला, गांव के गौटियां के घर के पास का कुआं, कीचड़ वाले रास्ते, खपरैल वाले घर और उन घरों से ही दूर-दूर तक नजर आती खेत...खेत के मेढ़ से बस्ता टांगकर दूर तक स्कूल का सफर सहित आसपास के नजारे अब भले ही बदलाव के दौर में बदल गये हैं.... इन्हीं बदलाव में गाँव का वह स्कूल भी अब पहले जैसा नहीं रहा...भले ही कई स्कूल जहाँ संचालित थे, वहीं है लेकिन उन स्कूलों की दीवारें बदल गई है। छतें बदल गई है, विद्यार्थी, शिक्षक भी बदल गए हैं..किताबें बदल गई है, ड्रेस बदल गया है...लेकिन कक्षा के भीतर मास्टरजी की सीख, बच्चों के शोर, शाला लगने और शाला से घर जाने सुनाई देने वाली घंटी की आवाजें, प्रार्थना, कतार...सबकुछ वैसा का वैसा ही तो है..। नई पहचान के साथ अब शहर से लेकर दूरस्थ गाँव तक के हर विद्यालय में क, ख, ग और ए, बी सी,डी की शोर सुनाई देती है, लेकिन यह शोर वह शोर नहीं.. जिन्हें सुनकर कान बन्द करने की नौबत आन पड़े...यह तो वह शोर है...जिसमे आने वाले भविष्य का कल छिपा है...इसे सुनकर पूरा गाँव निश्चिंत है..और खुश भी है कि उनके गांव के विद्यालय में मास्टरजी आ गये हैं। यह खुशी विद्यालयों में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों में भी है कि उन्हें नई मैडम और नया सर मिल गया है। स्कूल आने-जाने का समय हो या फिर घर में अपने भाई-बहन, माता-पिता के बीच गुजरने वाला वक्त, स्कूल की नई मैडम और नये सर का जिक्र सबकी जुबां पर है। गांव के स्कूलों में पदस्थ होने के साथ ही शिक्षकों का भी मान सम्मान बढ़ने लगा है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दिशा निर्देशन में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश भर में अपनाई गई युक्तियुक्त करण की प्रक्रिया से शहर से लेकर दूरस्थ गांव तक के सरकारी विद्यालयों मे पढ़ाई करने वाले गरीब विद्यार्थियों के भाग खोल दिये हैं। अतिशेष शिक्षकों के समायोजन से उन हजारों विद्यालयों को शिक्षक मिल गया है, जहां वर्षों से शिक्षक की कमी थी। प्रदेश के लगभग 6 हजार एकल शिक्षकीय विद्यालय में अतिशेष शिक्षको का समायोजन किया गया है, जिससे 4 हजार 721 विद्यालय लाभान्वित हुए है। वही युक्ति युक्तकरण से पूर्व प्रदेश भर में 453 शिक्षकविहीन विद्यालय थे। इन विद्यालयों में से 446 विद्यालयों में अतिशेष शिक्षको की पदस्थापना कर राज्य शासन ने शिक्षक की कमी से वंचित विद्यार्थियों के भविष्य को गढ़ने के साथ ही शिक्षको की गारंटी और पढ़ाई के साथ बच्चों की भविष्य भी सुनिश्चित कर दी है। कोरबा जिले में 500 से अधिक शिक्षकों को शिक्षकविहीन, एकलशिक्षकीय-द्विशिक्षकीय विद्यालयों में पदस्थ किया गया है।

हड़ताल कर रहे एनएचएम कर्मचारियों की बर्खास्तगी शुरू

रायपुर । नियमितीकरण समेत 10 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे एनएचएम कर्मचारियों पर कार्यवाही शुरू हो गई है। बलौदाबाजार जिले में दो कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। सीएमएचओ ने कसडोल ब्लॉक डाटा मैनेजर हेमंत सिन्हा, और कौशलेश तिवारी की बर्खास्तगी का आदेश जारी किया है।बता दें कि प्रदेशभर के 16 हजार कर्मचारी नियमितीकरण समेत 10 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। शासन की ओर से हड़ताली कर्मचारियों को हड़ताल समाप्त करने के लिए 24 घंटे के अल्टीमेटम दिया गया था जिसके बाद भी काम पर नहीं लौटने पर अब बर्खास्तगी की कार्रवाई शुरू हो गई है।सीएमएचओ की ओर से हेमंत सिन्हा, कौशलेश तिवारी को जारी आदेश पत्र में लिखा गया है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के आह्वान पर आप 18 अगस्त 2025 से अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। संघ की मांगों के संदर्भ में 13 अगस्त को राज्य स्वास्थ्य समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक में सक्षम स्तर पर निर्णय लिया जा चुका है। उक्त निर्णय के तारतम्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कार्यालय छत्तीसगढ़ द्वारा आवश्यक निर्देश भी प्रसारित किए जा चुके हैं। आगे लिखा है कि आपको हड़ताल से अपने काम पर लौटने के लिए नोटिस जारी किया गया था किंतु आप काम पर उपस्थित नहीं हुए। आपको एक सितंबर को फिर से नोटिस जारी किया गया था, जिसमें स्पष्ट उल्लेख किया गया था कि 24 घंटे के भीतर अपने कार्य स्थल पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें अन्यथा आपके विरूद्ध संविदा शर्तों अनुरूप सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी, किंतु आपने आज तक अपने काम पर उपस्थिति नहीं दी गई, जो लोकहित के विरूद्ध एवं पूर्णतः अनुचित है। यह कृत्य छग सिविल सेवा आचरण नियम 1965 एवं मानव संसाधन नीति-2018 की कंडिका कमांक 34.3 के अनुसार कदाचार की श्रेणी में भी आता है। इसके चलते आपकी संविदा नियुक्ति तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)